दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:59 ए एम
सूर्यास्तः 05:24 पी एम
तिथिः द्वादशी - 05:57 ए एम, दिसम्बर 05 तक
नक्षत्रः अश्विनी - पूर्ण रात्रि तक
योगः वरीयान - 03:41 ए एम, दिसम्बर 05 तक
करणः बव - 05:42 पी एम तक
द्वितीय करणः बालव - 05:57 ए एम
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः रविवार

हिन्दी दैनिक

# झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 2022 • अंक 248 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 4 दिसंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

## संक्षिप्त समाचार

### आगराः फतेहपुर सीकरी हाईवे पर ट्रक से टकराई कार, चार बरातियों की मौत

आगरा/एजेंसी। आगरा के फतेहपुर सीकरी में शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। फतेहपुर सीकरी टोल प्लाज के समीप आगरा–जयपुर हाईवे पर बरातियों की कार ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूल्हा समेत सात घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में भिजवाया। दूल्हे की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे में पेमाराम पुत्र गेनाराम, हेमराम पुत्र गेनाराम, तारा देवी पुत्री पेमाराम, और कार चालक प्रवीण कुमार की मौत हुई है। जबकि दूल्हा नैनाराम समेत सात लोग घायल हैं। बताया गया है कि कार में दूल्हा समेत 13 लोग सवार थे। ये सभी राजस्थान के जिला रामसमंद के गांव सरोड के रहने वाले थे। नैनाराम की शादी बिहार के पटना निवासी युवती से तय हुई थी।

### पुलिस ने सब्जी वालों को दौड़ाया, ट्रेन की चपेट में आने से दोनों पैर कटे

कानपुर/एजेंसी। यूपी के कानपुर में कल्याणपुर पुलिस की संवेदनहीनता और मनमानी की वजह से एक गरीब सब्जी वाले को अपने दोनों पैर गंवाने पड़े. इतना ही नहीं अभी भी उसकी हालत गंभीर बनी. दरअसल, कल्याणपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास फुटपाथ पर अरसलान नामक युवक सब्जी का ठेला लगाये हुए था. तभी कल्याणपुर थाने के दरोगा और कुछ सिपाही लाठी–डंडे लेक- र सब्जी दुकानदारों को भगाने लगे. मारपीट के डर से अरसलान अपनी दुकान समेटने लगा. इस बीच पुलिस ने एक बार फिर से दौड़ा लिया. मार खाने के डर से वह आवाक होकर रेलवे पटरी की ओर भागने लगा. तभी मेमू ट्रेन वहां से गुजरने लगी. ट्रेन की चपेट में आकर असलम के दोनों पैर कट गए। आसपास के लोगों ने गंभीर हालत में उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है. घटना के बाद से ही इलाके के लोगों में रोष है. बता दें कि कल्याणपुर थाने की पुलिस आए दिन विवादों में घिरी रहती है. आरोप है कि फुटपाथ पर दुकानें लगाने वाले गरीबों से पैसे की वसूली भी करती हैं, जिसके शिकायत कई बार पुलिस के बड़े अधिकारियों से की जा चुकी है।

## बिजनेस

**बीएसई सेंसेक्स**
62,868.50–415.69 (0.66%)
**निफ्टी**
18,812.50+54.15 (0.29%)

भाजपा- आरएसएस को राहुल गांधी की नसीहत

# जय श्रीराम नहीं, जय सिया राम बोलें: राहुल गांधी

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के लोग'' अपना जीवन भगवान राम की तरह नहीं जीते हैं। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान यहां एक रैली में एक पुजारी के साथ बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि महात्मा गांधी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला वाक्यांश ''हे राम' जीवन जीने का तरीका' है। गांधी की भारत जोड़ो यात्रा वर्तमान में मध्य प्रदेश से गुजर रही है तथा शुक्रवार शाम को आगर मालवा जिले में रुकी। उन्होंने कहा, 'हे राम, जीवन जीने का तरीका है। इसने पूरी दुनिया को प्यार, भाईचारा, सम्मान और तपस्या का मतलब सिखाया।' कांग्रेस नेता ने कहा, ''इसी तरह, जय सिया राम का अर्थ है, सीता और राम एक हैं और भगवान राम ने सीता के सम्मान के लिए लड़ाई लड़ी।'

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 'जय श्री राम का मतलब है कि भगवान राम की जय हो, लेकिन भाजपा और आरएसएस के लोग उनकी (भगवान राम) तरह जीवन नहीं जी रहे और महिलाओं के सम्मान के लिए नहीं लड़ रहे।' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि जो कभी भगवान राम के अस्तित्व में विश्वास नहीं करते थे, वे अब उन्हें अपशब्द कहने के लिए 'रावण ले आए' हैं। प्रधानमंत्री कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री सभी चुनावों में लोगों से अपना चेहरा दिखाकर वोट करने के लिए कहते हैं। खरगे ने पूछा, 'क्या आप रावण की तरह 100 सिर वाले हैं।'

इस बीच, केंद्र और मध्य प्रदेश की भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि किसानों को खाद नहीं मिल रही है और 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक का कर्ज नहीं चुकाने के लिए किसानों को परेशान किया जा रहा है जबकि बैंकों द्वारा लाल कालीन बिछा कर उद्योगपतियों के बड़े कर्ज माफ कर दिए जाते हैं।

### राम का मतलब जीवन जीने का तरीका : राहुल

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान आरएसएस -बीजेपी को निशाने पर लिया। राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के आगर में एक जनसभा के दौरान कहा, 'आरएसएस -बीजेपी के लोग 'जय सिया राम' का नारा नहीं लगाते। वो जय सिया राम नहीं बोलते, क्योंकि वो सीता का आदर नहीं करते। उनके संगठन में महिला को स्थान नहीं है।' राहुल गांधी ने कहा, 'भगवान राम की भावना को आरएसएस के लोग नहीं अपनाते। राम ने कभी नफरत नहीं फैलायी, किसी का अपमान नहीं किया।' राहुल गांधी यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा,' बीजेपी वाले एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं। राहुल गांधी ने कहा, भगवान राम जिंदगी जीने का तरीका थे।'

**● राम का मतलब जीवन जीने का तरीका**

राहुल गांधी ने बताया, 'एक पंडित जी ने मुझसे कहा भगवान राम तपस्वी थे। गांधी जी का नारा था हे राम। हे राम का मतलब जीवन जीने का तरीका है। यह यात्रा देश की जनता की यात्रा है। इस यात्रा में कोई थक नहीं रहा है।' राहुल गांधी ने कहा, मैं इस यात्रा में लाखों लोगों से मिला हूं। किसान कहता है कि यूरिया नहीं मिलता है। कारोबारी कहता है, जीएसटी और नोटबंदी ने बिजनेस बंद कर दिया है।

# मेदिनीपुर में टीएमसी बूथ अध्यक्ष के घर पर धमाका, दो की मौत

मेदिनीपुर/एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता के घर पर देर रात बम धमाके की खबर है। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, शवों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बता दें, यह बम धमाका टीएमसी के महासचिव व सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मेदिनीपुर में आज होने वाली रैली से पहले हुआ है। वह मेदिनीपुर के कोंटाई में एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं।

पुलिस ने बताया, मेदिनीपुर के भूपति नगर थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर इलाके में यह घटना हुई। यहां रहने वाले टीएमसी के बूथ अध्यक्ष राजकुमार मन्ना के घर पर रात में विस्फोट हुआ था। इसके बाद पुलिस ने मौके पर दो शवों को बरामद किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि यह धमाका बम बनाने के दौरान हुई। सामने आया है कि टीएमसी नेता के घर पर देशी बम से धमाका हुआ है। इस विस्फोट में टीएमसी कार्यकर्ता के घायल होने की भी खबर है। पुलिस के मुताबिक, घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजे के आसपास की है। उधर, भाजपा ने इस मामले की एनआईए जांच की मांग की है। आरोप है कि टीएमसी बूथ अध्यक्ष के घर पर बम बनाया जा रहा था। गौरतलब है कि टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे आज पूर्वी मिदनापुर के कोंटाई में कॉलेज ग्राउंड में एक मेगा रैली करने वाले हैं. यहां वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे. यह बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का गृह क्षेत्र भी है. इस विस्फोट में टीएमसी पार्टी के कुछ कार्यकर्ता भी घायल हुए हैं. फिलहाल पुलिस ने इसकी कोई पुष्टि नहीं की है।

### सब्बल से मौत पर 15 हजार मुआवजा, पिता ने लौटाया

नयी दिल्ली/एजेंसी। यूपी के अलीगढ़ में शुक्रवार को डाबर–सोमना के बीच ट्रेन में बैठे युवक के शरीर में उछल कर आया सब्बल धंस गया। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे में रेलवे की लापरवाही सामने आ रही है। इसके बावजूद रेलवे ने मृतक के पिता को मात्र 15 हजार रुपए का मुआवजा दिया। उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया। कहा, 'मुझसे ही 50 हजार रुपए ले जाओ।' वहीं शनिवार देर शाम रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया। मृतक हरिकेश के पिता संतराम का कहना है, 'रेलवे प्रशासन की लापरवाही के कारण मेरे बेटे की जान गई है। अब रेलवे मुझे 15 हजार रुपए का मुआवजा देकर मेरे बेटे की मौत का मजाक उड़ा रहा है।' इस दौरान रेलवे के अधिकारी उन्हें समझाते रहे, लेकिन उन्होंने किसी की एक न सुनी और बेटे का शव लेकर लौट गए।

मैं जहां भी जाता हूं, भारत को अपने साथ लेकर चलता हूं : सुंदर पिचाई

# पद्म भूषण से सम्मानित किए गए गूगल के सीईओ

नई दिल्ली/एजेंसी।

गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने कहा है कि वह हमेशा खुद को भारत से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं और जहां कहीं भी जाते हैं अपनी भारतीय पहचान को साथ लेकर जाते हैं। पिचाई ने यह बात भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से नवाजे जाने के अवसर पर कही। पिचाई ने कहा, 'भारत मेरा एक हिस्सा है और मैं जहां कहीं भी जाता हूं इसे अपने साथ लेकर जाता हूं।' भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक पिचाई को व्यापार और उद्योग श्रेणी में वर्ष 2022 के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

उन्हें यह सम्मान अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने प्रदान किया।

# उपायुक्त ने किया विद्यालय का निरीक्षण, कहा- समय समय पर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कराएं

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** उपायुक्त ने अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय कड़हरबिल का निरीक्षण किया।

इस दौरान उपायुक्त ने अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय के नव निर्मित भवन की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की।उन्होंने शेष बचे कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निदेश दिया। वर्तमान में पठन पाठन चल रहे भवन का भी उन्होंने निरीक्षण किया एवं विद्यालय के छात्राओं से बात की।जानकारी दी गयी कि वर्तमान में विभिन्न कक्षाओं में कुल 248 छात्राएं छात्रावास में रहकर पठन पाठन कर रही हैं।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के रसोईघर का निरीक्षण किया।उन्होंने रसोई में कार्यरत महिलाओं से बात की।उन्होंने कहा कि रसोई घर में स्वच्छ रहे।सब्जियों को बेहतर ढंग से

रखा जाय।प्रत्येक दिन के लिए निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को भोजन दी जाय।

उन्होंने विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य को निदेश दिया कि विद्यालय परिसर साफ रहे।विद्यालय में पड़े कूड़े का निस्तारण किया जाय।कहा कि वैसे सामान जो उपयोग में नहीं है उसे परिसर से अविलंब हटाने का कार्य करें।विद्यालय के शौचालय की नियमित सफाई हो इसे सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि समय समय पर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कराएं।इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न कक्षाओं का भी निरीक्षण किया।उन्होंने बच्चों से विद्यालय में हो रहे पठन पाठन एवं सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त ने बच्चों से कहा कि आपकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं आये इस हेतु सरकार द्वारा आपको कई प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।खूब मन लगाकर पढ़ें।पाठ्यक्रम से संबंधित किसी प्रकार की समस्या हो तो अपने शिक्षकों से बात करें।

## संक्षिप्त समाचार

### 10 दिन से फरार प्रेमी जोड़े को पुलिस ने किया बरामद

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** रामगढ़ थाना क्षेत्र से विगत 23 नवंबर को नाबालिग युवती को लेकर फरार हुए बॉबी राय उर्फ मनोज राय को रामगढ़ थाना पुलिस ने युवती के साथ बरामद कर लिया है। 23 नवंबर को रामगढ़ थाना क्षेत्र की सुनीता देवी ने अपनी नाबालिग बेटी को भगा ले जाने का आरोप रामगढ़ बाजार के बॉबी राय उर्फ मनोज राय पर लगाया था पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए खोजबीन शुरू कर दी थी 10 दिनों के बाद काफी खोजबीन के बाद प्रेमी युगल को बरामद करने के बाद आरोपी युवक बॉबी राय को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जबकि युवती को मेडिकल जांच के साथ ही 164 के बयान के लिए दुमका ले जाया गया है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व भी उक्त प्रेमी जोड़ा फरार हो गया था उस वक्त सामाजिक स्तर पर दोनों को समझा-बुझाकर अपने-अपने घर भेज दिया गया था करीब 2 महीना के बाद फिर से दोनों फरार हो गए तथा शादी भी कर ली है। मालूम हो कि युवती नाबालिक है। जबकि आधार कार्ड के अनुसार युवक की उम्र 22 साल बताई जा रही है।

### 65 किसानों के बीच किया छह किवंटल चना बीज का वितरण

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** जिला परिषद अध्यक्ष जांयस बेसरा और प्रमुख बिमला नीपू सोरेन ने संयुक्त रूप से शनिवार को आत्मा परिसर में 65 किसानों के बीच छह किवंटल चना बीज का वितरण किया।पंजीकृत दर्जनों किसानों को ब्लाकचेन तकनीकी के माध्यम से चना बीज का वितरण किया गया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि सरकार के द्वारा किसानों के उन्नति के लिए किसानों को बीज वितरण किया जा रहा है। इसका सभी किसान लाभ उठाएं और अपने आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने का कार्य करें। प्रमुख बिमला नीपू सोरेन ने कहा कि जो किसान प्रत्यक्षण के लिए बीज ले रहे हैं वह सही तरीके से खेती करें और इसके लिए कुछ समय बाद खाद भी दिया जायेगा। इस मौके पर प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी इरशाद अंसारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डायमंड राज़ कुणाल मंडल, समेत कई जनसेवक उपस्थित थे।

### पुस्तकालय समिति की बैठक हुई

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** उपायुक्त की अध्यक्षता में पुस्तकालय समिति की बैठक आयोजित की गयी।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि 10 से अधिक पुस्तक पुस्तकालय में दान करने वाले को 1 साल की पुस्तकालय की सदस्यता दी जाएगी एवं 100 पुस्तक दान करने वाले को लाइफटाइम सदस्यता प्रदान की जाएगी।बैठक में पुस्तकालय समिति द्वारा कई प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गयी।उपायुक्त ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापन किए जाए। कहा कि पुस्तकालय परिसर में साफ-सफाई रहे इसे सुनिश्चित करें। आवश्यकता अनुसार लाइट की व्यवस्था की जाय ताकि प्रांगण में अंधेरा नहीं रहे। उन्होंने निर्देश दिया कि पुस्तकालय में कार्य कर रहे कर्मियों के लिए बायोमैट्रिक अटेंडेंस की व्यवस्था की जाए।बैठक में उप विकास आयुक्त,जिला शिक्षा पदाधिकारी जिला शिक्षा अधीक्षक सहित पुस्तकालय के कर्मी उपस्थित थे।

## एक सप्ताह के अन्दर फिल्ड वेरिफिकेशन कर निष्पादन करना सुनिश्चित करें

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार प्रखण्ड सभागार, दुमका में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 से संबंधित सभी बी०एल०ओ० एवं बी०एल०ओ० पर्यवेक्षक के साथ समीक्षा बैठक प्रखण्ड विकास पदाधिकारी -सह- सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, दुमका के द्वारा किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान 10 से कम प्राप्त

प्रपत्र - 6 तथा 50 प्रतिशत से कम आधार लिंक करने वाले मतदान केन्द्रो के बी०एल०ओ० और बी०एल०ओ० पर्यवेक्षक को यह निदेश दिया कि 08 दिसम्बर तक प्रत्येक मतदान केन्द्र में कम से कम 15 प्रपत्र - 6 फार्म ऑनलाईन होना चाहिए। उपस्थित सभी बी०एल०ओ० और सुपरवाईजरों को वह निदेश दिया गया है कि जिनका जन्म तिथि 01 अक्टूबर 2005 के पूर्व का है, ऐसे सभी लोगों का प्रपत्र-6 प्राप्त कर ऑनलाईन करना सुनिश्चित करें। साथ ही ऑनलाईन करने के उपरान्त निर्गत चेकलिस्ट को भी निर्धारित समय सीमा एक सप्ताह के अन्दर फिल्ड वेरिफिकेशन कर निष्पादन करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त आदिम जनजाति परिवार, दिव्यांग जन, 80 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का सत्यापन कर मतदाता सूची में नाम जोड़ने तथा चिन्हित करने का कार्य करना सुनिश्चित करें। आज अन्तराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर भी सभी को छुटे हुए दिव्यांग नागरिकों को मतदाता सूची में जोड़ने का निदेश दिया गया ।उपस्थित सभी को यह भी जानकारी दिया गया कि दिन- रविवार को 11 बजे दिन से दुमका बस स्टेण्ड के पीछे स्थित भारतीय रेड क्रॉस भवन में मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए एक विशेष पंजीकरण कैम्प का आयोजन किया गया है। अधिक से अधिक छुटे हुए नागरिकों को इस कैम्प में आने हेतु प्रचार-प्रसार करें। प्रखण्ड स्तर से दुमका शहर में माईकिंग भी कराया जा रहा है।

## उपायुक्त ने सभी दिव्यांग मतदाताओं को फूल देकर सम्मानित किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर उपायुक्त ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के दिव्यांगजनों के बीच मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु प्रपत्र 6 का वितरण किया।दिव्यांग गुड्डी कुमारी,समयन टुडू,गुड्डी देवी,घनश्याम कुमार साह तथा विष्णु दत्ता ने प्रपत्र भरकर निहित दस्तावेज के साथ मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा किया। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप दिव्यांगजन को मतदाता के रूप में सम्मान देने एवं जिम्मेवार मतदाता के रूप में मतदान में भागीदारी हेतु प्रेरित करना है।इस दौरान उपायुक्त ने सभी दिव्यांग मतदाताओं को फूल देकर सम्मानित किया।उन्होंने सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के महात्यौहार में मतदान कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

## बच्चों के बीच स्वेटर एवं चस्मा का वितरण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर नेत्रहीन आवासीय विद्यालय हिजला दुमका में नेत्रहीन बच्चों के बीच समाजसेवी अजय कुमार झा उर्फ (मिक्की झा) ने गर्म वस्त्र जैसे (स्वेटर , टोपी , इनरवेयर) तथा बच्चों में चस्मा वितरित किए साथ ही उन्होंने बच्चों से मुलाकात किया और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने बच्चों के साथ मिठाइयां भी खाई और उनके द्वारा 1 महीने का राशन भी उपलब्ध कराया गया.

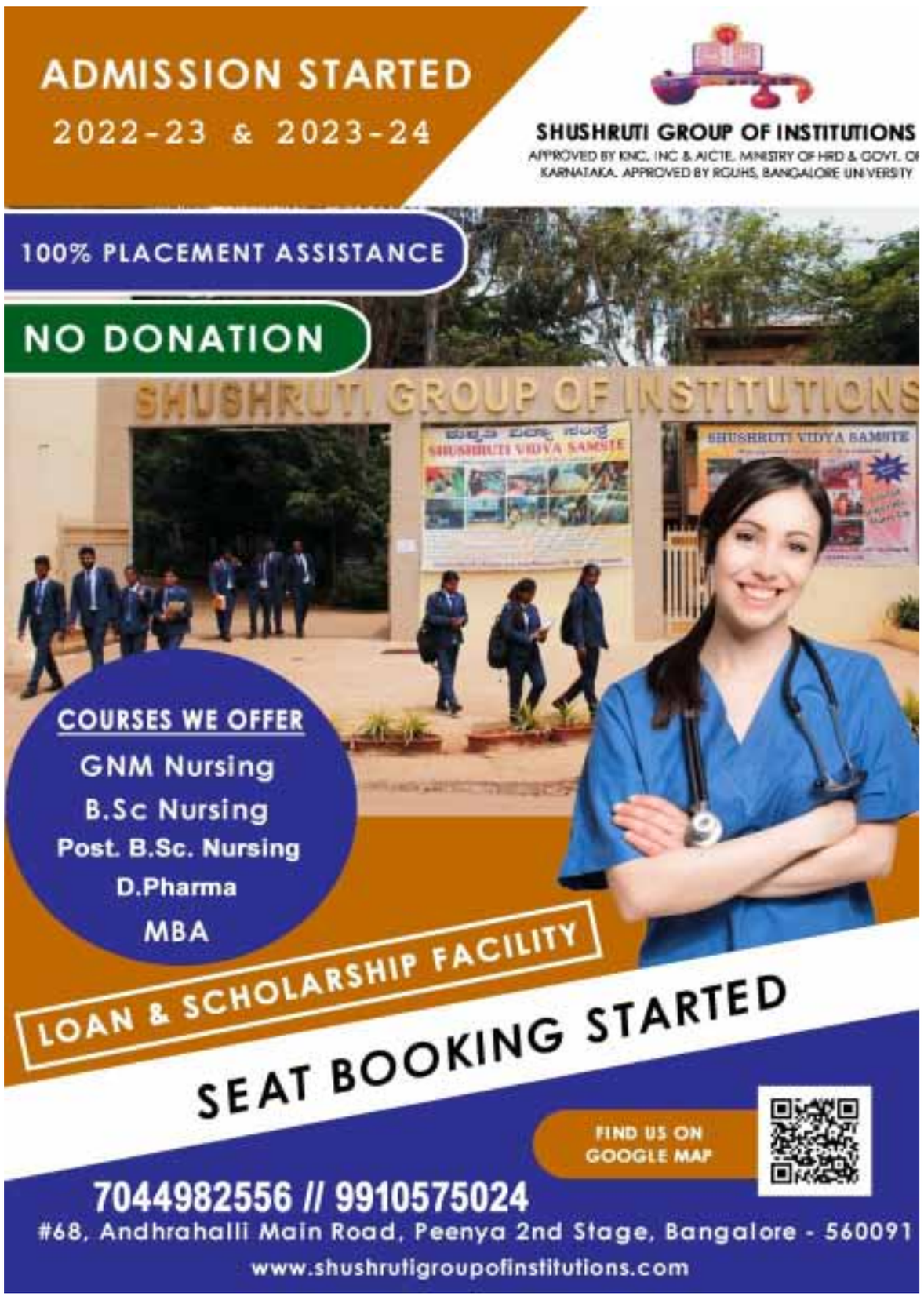

# एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 (पर सी ऐण्ड पी एन डी टी ) का मुख्य उद्देशय गर्भ धारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व लिंग चयन का निषेध करना तथा लिंग आधारित आधारित गर्भपात पर प्रतिबंध लगाकर गिरते लिंगानुपात को सुधारना है. उपायुक्त वरूण रंजन के निर्देशानुसार आज पूर्व गर्भाधान व प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के तहत सोनाजोड़ी सभागार में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला की शुरुआत करते हुए सिविल सर्जन डॉक्टर मंटू कुमार टेकरीवाल ने कहा कि लिंग निर्धारण एवं लिंग जांच करने वाले क्लीनिक, चिकित्सक एवं अन्य की पहचान कर गर्भ धारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 अंतर्गत जिला में अनुश्रवण का कार्य करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 का मुख्य उद्देशय गर्भ धारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व लिंग चयन का निषेध करना तथा लिंग आधारित आधारित गर्भपात पर प्रतिबंध ।पूर्व गर्भाधान व प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के तहत प्रावधान मे प्रत्येक केन्द्र को सामान्य सरल एवं क्षेत्रीय भाषा में जनसामान्य की जानकारी के लिए बोर्ड लगाना चाहिए कि लिंग निर्धारण कानूनन गलत है। और ऐसा करना कानूनी अपराध है। कम से कम पी०सी० पी० एन०डी०टी० अधिनियम की एक प्रति अवशय उपलब्ध होनी चाहिए और मांगने पर प्रार्थी अथवा निरीक्षण टीम को प्रस्तुत भी करनी चाहिए। संचालक द्वारा किसी भी ऐसे चिकित्सक को अल्ट्रासाउण्ड करन हेतु नहीं रखना चाहिए जिसके पास कानून में की गयी व्याख्या के अनुरूप योग्यता न हो।प्रत्येक केन्द्र पर एक ऐसा रजिस्टर रखना चाहिए जिसमें किसी भी प्रकार प्रसव पूर्व गर्भ जांच तकनीकी का इस्तेमाल (मुख्यता अल्ट्रासाउण्ड ) किया गया हो, का पता एवं अन्य जानकारी तिथिवार लिखा होना चाहिए। प्रत्येक महिला जिसकी जांच की गयी हो, उसका कानून के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र भरा होना चाहिए।

अल्ट्रासाउण्ड के संबंध में प्रारूप एफ. भरा जाना चाहिए।अधुरा वा गलत सूचना अनु0 5 या 6 का उल्लंघन माना जायेगा। प्रत्येक प्रारूप एफ के साथ रेफरल स्लिप इत्यादि भी संलग्न होने चाहिए।दस्तावेज कम से कम दो साल या यदि कोई मामला कोर्ट में हो तो वह जब तक खत्म न हो जाए तक तक सुरक्षित रखना चाहिए।यह सभी दस्तावेज निरीक्षण टीम / समुचित प्राधिकरण को आवशयकतानुसार अवलोकनार्थ उपलब्ध कराये जाने चाहिए। यदि ऐसे दस्तावेज संस्थान / क्लीनिक के द्वारा कम्प्यूटर पर रखे जाते हों तो उनकी प्रिन्टेड कॉपी अधिकृत व्यक्ति के द्वारा हस्ताक्षरित कॉमी रिकॉर्ड हेतु रखी जानी चाहिए।प्रतिमाह जांच की हुई गर्भ संबंधी ऐसी सभी जांचों का ब्यौरा हर माह की पांच तारीख तक जिला समुचित प्राधिकारी (सिविल सर्जन) को भेजना चाहिए। समुचित प्राधिकारी के कार्यालय में मासिक रिकार्ड जमा करने के बाद रिकार्ड जमा करने का साक्ष्य भी रखना चाहिए।केन्द्र पर किसी भी प्रकार के परिवर्तन जैसे स्थान, पता, नयी मशीन खरीद संचालक चिकित्सक की संख्या में वृद्धि पर उनके आवशयक दस्तावेज के साथ ऐसी सूचना को समुचित प्राधिकारी को उपलब्ध कराना चाहिए व दस्तावेज रिकॉर्ड में भी उपलब्ध होना चाहिए।

मशीनों का संचालन करने वाले डॉक्टर का नाम।यदि मशीन किसी वजह से खराब है और उसे मरम्मत की आवशयकता है या मशीन का उपयोग किसी कारणवश कुछ समय के लिए नहीं किया जा रहा हो तो ऐसी सूचनाएँ समुचित प्राधिकारी को देनी चाहिए और मशीन का उपयोग किसी अन्य स्थान मेला / कैम्प इत्यादि में किया जाना हो तो पूर्व अनुमति समुचित प्राधिकारी से प्राप्त की जानी चाहिए।एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एनजीओ एवं अल्ट्रासाउंड केंद्र के संचालक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### गुरु गोष्ठी का हुआ आयोजन

**हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।** हिरणपुर बालक मध्य विद्यालय में गुरु गोष्ठी का हुआ आयोजन। गुरु गोष्ठी में मुख्य रूप से मध्यान्ह भोजन योजना का नंवबर 2022 का मासिक रिपोर्ट, रसोइया की अनुपस्थिति विवरणी नवंबर 2022, बायोमेट्रिक उपस्थिति सभी शिक्षकों के लिए अनिवार्य करने के संबंध में, शिक्षकों का लेसन प्लान, बच्चों को होमवर्क देना चेक करना, स्टॉक एवं ट्रांसपोर्ट भत्ता हेतु माह नवंबर 2022 दिव्यांग बच्चों की उपस्थिति के अलावे सरकारी पारा शिक्षकों का अनुपस्थिति विवरण, विद्यालय अवधि में अन्यत्र नहीं जाने के संबंध में सहित कुल 22 से भी अतिरिक्त विषयों पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अब्दुल रफीक आलम ने विस्तृत चर्चा करते हुए आवशयक दिशा निर्देश दिए। गुरु गोष्ठी में मुख्य रूप से बीपीओ किशन भगत के अलावे सभी संकुल साधन सेवी, प्रखंड साधन सेवी और सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य या फिर प्रतिनिधि उपस्थित थे।

### भुगतान की मांग को लेकर ट्रांसपोर्ट सिविल वर्कर ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया

**पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।** पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक के पैनम कोल कंपनी से बकाया राशि भुगतान, वर्तमान में कोयला उत्खनन कार्य में जुटी कोल कंपनी डीबीएल से भुगतान कराने की मांग को लेकर महेशपुर के गायबथान तिलका मांझी चौक के समीप शुक्रवार को ग्रामीण बेरोजगार युवकों व ट्रांसपोर्टर ने एकजुट होकर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पर बैठ। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल लोगों से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में अमड़ापाड़ा के कोयला साइडिंग से पैनम कंपनी के द्वारा कोयला का उत्खनन किया जा रहा था और उसमें ट्रांसपोर्टरों के साथ-साथ वेंडरों का बकाया था और वर्तमान में उक्त कोयला साइडिंग में कोयला का उत्खनन कार्य डीबीएल कंपनी के द्वारा किया जा रहा है। डीबीएल कंपनी से बकायादारों का बकाया राशि देने की बात कही गई थी। परंतु इस पर अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने से आक्रोशित होकर लोग धरना-प्रदर्शन करने में जुट गए हैं। कंपनी ट्रांसपोर्टर एवं वेंडरों को भुगतान किये बिना ही कोयले की खनन एवं परिवहन का काम शुरू किया है. इससे यह प्रतीत होता है की कंपनी यहाँ मनमानी करने वाली है. और दो गुट में बांट कर काम करना चाहती है. धरना-प्रदर्शन में डटे लोगों ने कहा कि जब तक कंपनी के अधिकारी धरना स्थल पर आकर वार्ता नहीं करेंगे तब तक धरना जारी रहेगा। धरना में बैठे पोखरिया, गायबथान, गोविंदपुर, शहरग्राम, खरियोपाड़ा, तसरिया गांव काफी संख्या में बकायेदार शामिल थे। धरना कार्यक्रम में शामिल जिला परिषदसदस्य समसुग मुर्मू, बकायेदार पवन कुमार भगत, पंचानन ठाकुर, टीपू सुल्तान, सुनी राम मुर्मू, होपना टुडू, सुभान मियां, खालेद हुसैन, मुकेश भगत, संतोष भगत, बुलबुल भगत, सुनील किस्कू, दीनानाथ दास, राजू हांसदा, गिरधारी साह, बबलू साह समेत सभी ने एक स्वर में कहा कि कोल कंपनी पहले हमारी बकाया राशि का भुगतान करें, फिर कोयला उत्खनन कर परिवहन करें। हालांकि धरना दे रहे बकायेदार से समाचार भेजे जाने तक न कंपनी के अधिकारी पहुंचे और न ही प्रशासन की ओर से समस्या का समाधान करने की पहल की गई, जिस कारण धरना जारी रखा गया।

### बीडीओ ने की बीएलओ के साथ बैठक

**पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।** पाकुड़िया प्रखंड सभागार में शनिवार को बीडीओ मनोज कुमार की अध्यक्षता में सभी बीएलओ की बैठक हुई। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2022 के तहत पर चर्चा करते हुए बीडीओ ने कहा कि वैसे व्यक्ति जिनका उम्र 18 से ऊपर हो चुका है उनके लिए प्रपत्र 6 भरकर मतदाता सूची में जोड़े। वहीं मृत, स्थानान्तरण वोटरों को प्रपत्र 7 में भरकर उसे सूची से हटाने की दिशा में कार्रवाई करें। मतदाता सूची में ब्लैक एंड वाइट फोटो है या धुंधला हो चुका है उनके लिए प्रपत्र 8 भरकर सुधार करें करने का भी निर्देश बीडीओ ने दिया। बैठक में बिपीआरओ त्रिदीप सील पर्यवेक्षक प्रखंड के सभी बीएलओ उपस्थित थे।

### चल चिकित्सा वाहन द्वारा प्रखंड के कई गांव में ईलाज किया गया

**पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।** पाकुड़िया प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र कारीपहाड़ी आदि अन्य गांवों में शनिवार को सरकार के चल चिकित्सा वाहन द्वारा गांवों के बीमार लोगों का जांचोपरांत ईलाज किया गया। साथ ही उन लोगों के बीच जरूरी दवाओं का मुफ्त वितरण भी किया गया। चल चिकित्सा वाहन में मौजूद डॉक्टर आंद्रेस मरांडी फार्मासिस्ट जमीरुल इस्लाम अपने सहयोगी एएनएम सावित्री पंडित के साथ दर्जनो गरीब जरूरतमंद रोगियों का इलाज किया। साथ ही उन्हें बेहतर चिकित्सकीय परामर्श के साथ ही सुई एवं दवा देकर इसे समय पर लेने का सुझाव दिया। मौके पर डॉ मरांडी ने बताया कि वर्तमान मैं बदले मौसम एवं अचानक बढ़ी गर्म हवा, बारिश एवं धूप के कारण गांवों में लोग सर्दी, खांसी टाइफाइड, मलेरिया, बुखार और बदन दर्द, सर दर्द से पीड़ित पाये गए। जानकारी का अभाव, दूरी, गरीबी, पैसे की कमी होने के कारण ये लाचार बीमार ब्यक्ति डॉक्टर के पास नहीं जा पाते हैं। इसीलिए सरकार की चलाई गई योजना चल चिकित्सा वाहन के द्वारा हम अक्सर जरूरतमंदों तक पहुंचकर उनका सही इलाज करते हैं। इधर मुफ्त डॉक्टरी ईलाज, परामर्श और दवा पाकर गरीबों के चेहरे पर खुशी देखी गई। बाद में वाहन अगले महेशपुर के कोटलपोखर गांव की ओर ईलाज हेतु रवाना हो गया।

## 15 दिसंबर तक बकाया ट्रांसपोर्टरों का भुगतान करें डीबीएल: एसडीओ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक के बकायदार, ट्रांसपोर्टर, सिविल वर्कर और पूर्व कर्मियों के साथ कार्यरत कर्मियों के साथ अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित ने समाहरणालय के डीडीसी के सभाकक्ष में बैठक की। बैठक में डीबीएल कंपनी के प्रबंधक और पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में ट्रांसपोर्टर के द्वारा बकाया भुगतान की बात रखी गई। इस बात पर अनुमंडल पदाधिकारी ने 15 दिसंबर तक ट्रांसपोर्टरों का बकाया भुगतान करने का निर्देश दिया। इस बात पर डीबीएल के वाइस प्रेसि-

**● सिविल वर्क का भी जांच कर जनवरी के अंत तक करें भुगतान**

डेंट धनंजय झा के द्वारा कहा गया कि कुल 102 ट्रांसपोर्टरों के द्वारा बकाया की दावा की गई है। इसमें 78 लोगों का दावा वैद्य पाए जाने पर उन्हें अगले सप्ताह से भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके अलावा 24 ऐसे बकायदार रहे हैं जिनके दस्तावेज जांच की जा रही है। जांच उपरांत उन्हें भी भुगतान की जाएगी। बैठक में सिविल वर्क के भुगतान की बात पर कहां गया कि जनवरी तक सभी बकाए दावों का जांच कर जांच कर भुगतान की जाएगी। इससे पहले जो निबंधित संवेदक है उनका बिल पहले जांच कर भुगतान करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा पुराने वर्कर को वापस काम पर लेने के लिए सिविल एसडीओ ने प्रबंधक को जल्द उनके साथ वार्ता कर उन्हें काम पर वापस रखने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्यालय डीएसपी बैजनाथ प्रसाद, नगर थाना प्रभारी मनोज कुमार, पीएसपीसीएल के राकेश कुमार सिंह डीबीएल मा-इंस इंचार्ज देवेंद्र झा एवं ट्रांसपोर्ट श्याम यादव, राजीव पांडे, हाकिम मोमिन, संजय रजक, संतोष रजक, भूटान भगत पप्पू भगत, मंटू भगत, पवन कुमार भगत, मनोज भगत सहित सभी ट्रांसपोर्टर मौजूद थे।

## अपर समाहर्ता ने अंचल निरीक्षक, अंचल उप निरीक्षक एवं अंचल कर्मियों के साथ की बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** 11वीं कृषि गणना 2021-22 के तहत आज समाहरणालय सभागार में अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी की अध्यक्षता में अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षकों व कंप्यूटर ऑपरेटर को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर यथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी ऋषि राज द्वारा प्रशिक्षण में कृषि गणना की विस्तृत जानकारियां दी गई. प्रशिक्षण के दौरान सभी को कृषि गणना 2021-22 के तहत भारत सरकार के आधिकारिक कृषि वेबसाइट एवं वेब एप्लीकेशन के माध्यम से किए जाने वाले कार्य को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर सभी को यूजर आईडी क्रिएशन, अंचल अधिकारी, सुपरवाइजर व राजस्व उप निरीक्षकों द्वारा उनके क्षेत्र के प्रत्येक गांव में कृषि गणना हेतु संबंधित वेबसाइट अथवा एंड्राइड एप्लीकेशन पर अंकित किए जाने वाले जानकारियों की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी। इस दौरान जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षकों,राजस्व उपनिरीक्षकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों सहित अन्य उपस्थित थे।

## कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाने के लिए बैठक का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**हिरणपुर(पाकुड़) ।** शनिवार को हिरणपुर प्रखण्ड कांग्रेस कार्यलय में एक बैठक की गई. बैठक में मुख्यरूप से आगामी 7 दिसम्बर को प्रखण्ड में होने वाले भारत जोड़ो यात्रा को सफल करने का निर्णय लिया गया। बैठक में ये निर्णय लिया गया कि समाज के बुद्धिजीवी वर्ग से कांग्रेस संगठन के कार्यकर्ता मिलेंगे और भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण देंगे। प्रखण्ड अध्यक्ष मनोबर आलम ने कहा कि जिला अध्यक्ष श्री उदय लखमानी जी के निर्देश पर माननीय आलमगीर आलम साहब के निर्देश पर हमलोग हिरणपुर में भारत जोड़ो यात्रा को हिरणपुर में ऐतिहासिक बनायेगे। प्रखण्ड में भारत जोड़ो यात्रा को सफल करने के लिए प्रखण्ड अध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया जिसमें राष्का हेम्ब्रम कालू सोरेन मुफिज अंसरी जंतु सोरेन सहीद आलम को जिम्मेदारी दी गई है. बैठक में यूथ कांग्रेस के बिधानसभा अध्यक्ष आबिद इस्लाम किस्मत अंसरी वाहिद अंसरी आशिक अंसरी जॉन सोरेन माइकिल मुर्मू उपस्थित थे.

## देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की 129 वी जयंती मनाई गई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** भारत रत्न से सम्मानित देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के 138 वी जयंती पर पाकुड़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष उदय लखमानी की अध्यक्षता में पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. जिला अध्यक्ष उदय लखमानी सहित कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी 'श्री उदय लखमानी ने कहा कि डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार के एक छोटे से गांव जीरादेई में हुआ था. बचपन से ही वे का×फी प्रतिभाशाली थे. हिंदी,उर्दू,संस्कृत और फारसी सहित कई भाषाओं के ज्ञाता थे. उन्होंने कानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की. देश की आजादी की लड़ाई में वे कई बार जेल गए. आजादी के बाद बनी पहली सरकार में कैबिनेट मंत्री के तौर पर खाद्य आपूर्ति विभाग को संभाला 'वे संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष पद पर भी रहे. 1950 में देश के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली '1957 में दोबारा राष्ट्रपति चुने गए. 1962 में अपने राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान के लिए उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। डॉ राजेंद्र प्रसाद सादगी,सेवा,त्याग और देशभक्ति के प्रतिमूर्ति थे। मौके पर जिला महासचिव अवधेश झा, जिला सचिव असलम अंसारी, कृष्णा यादव, ची×फ इनरोलर सोनु आलम, पाकुड़ प्रखंड सचिव रामविलास महतो, मनीरामपुर उप मुखिया शादीउर रहमान, मुसलोद्दीन, लड्डु, मिथुन मरांडी, जहरुल इस्लाम, मिस्बाहुल शेख, फरमान अली, आबिद मुस्ताक हुसैन, कराऊल साइबर अंसारी, बलिया से जाकिर हुसैन आदि मौजूद थे।

## फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरा जलवा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। उनके याद में विद्यालय के वर्ग दशम के बच्चों द्वारा एक वैदिक हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के बहुउद्देशीय भवन में प्राचार्य आशिस कुमार मंडल, मुख्य अतिथि वन एवं प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, एलआईसी के पदाधिकारी अमित कुमार सिंह, एक्सिस बैंक शाखा प्रबंधक अभिजीत सरकार एवं वरिष्ठ शिक्षक ललन कुमार एवं संजीव कुमार मिश्रा द्वारा राजेंद्र बाबू के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के एलकेजी, यूकेजी एवं प्रथम वर्ग के नौनिहाल बच्चों के लिए एक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपरोक्त अतिथियों, प्राचार्य एवं शिक्षकों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता के गवाह सैकड़ों अभिभावक एवं बच्चे बने। सह पाठयक्रम की श्रृंखला में आयोजित इस फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने रंग बिरंगे पोशाक में प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। बच्चे डॉक्टर, पुलिसमैन, सैनिक, सेव, टमाटर, आम, ट्रैफिक लाइट, रानी लक्ष्मीबाई आदि के वेश भूषा में सजकर शानदार एवं आकर्षक प्रस्तुति दी। उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी एवं उनकी प्रस्तुतियों को सराहा। इस प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले बच्चों का नाम इरम हुसैन, अथर्व राणा एवं आद्या अधिकारी है। वहीं दूसरे स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों के नाम आरुषि कुमारी, यति मिश्रा एवं मुदित्य रहा तथा तृतीय स्थान पर श्रण्या, आद्या सिंह और आशुरिका रहे। सभी उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों। ने बताया की समय समय पर ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों के सर्वांगीण विकास को बल मिलता है और बच्चों को अपनी संस्कृति एवं गौरवमयी इतिहास को जानने का अवसर मिलता है।

# कृषि मंत्री बादल का दावा, दुमका केंद्रीय कारा के मेन गेट पर गोलीबारी करने वालों की 24 घंटे में होगी गिरफ्तारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** झारखंड सरकार के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने दुमका केंद्रीय कारा के मेन गेट पर संतरी को निशाना साधते हुई फायरिंग की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है. उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 24 घंटे के अंदर दोषियों की गिरफ्तारी की जाएगी. बादल पत्रलेख ने यह बातें दुमका के कांग्रेस कार्यालय में कही.

कृषि मंत्री कहा कि आज दुमका से लेकर दिल्ली तक लोगों की मानसिकता बदली है. हिंसात्मक घटना लगातार घट रही है जिसे रोकने के लिए समाज को आगे आना होगा. अगर समाज में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती नजर आती है तो आप उचित प्लेटफार्म पर शिकायत कर इसे रोक सकते हैं. साथ ही हिंसात्मक चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करें.

- **कांग्रेस के प्रति लोगों का बढ़ा रुझान : दीपिका पांडे**

कांग्रेस पार्टी की महागामा क्षेत्र की विधायक दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि देश के हिमाचल प्रदेश में जो विधानसभा के चुनाव हुए उसमें कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन काफी बेहतर होगा. गुजरात में भी प्रदर्शन संतोषप्रद रहेगा. उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस के प्रति लोगों का काफी हो रहा है.

- **डॉ राजेंद्र प्रसाद की तस्वीर पर किया माल्यार्पणः**

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती है. इस अवसर पर दुमका के कांग्रेस कार्यालय में एक कार्यक्रम रखा गया था. इसमें भाग लेने पहुंचे झारखंड सरकार के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख और महागामा की विधायक दीपिका पांडे सिंह ने देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. पत्रकारों से बातचीत करते हुए बादल पत्रलेख ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद कुशाग्र बुद्धि के थे. वे महात्मा गांधी के साथ देश की आजादी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. बाद में जब देश आजाद हुआ तो उन्हें देश का पहला नागरिक चुना गया और भारत के विकास में उन्होंने अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई.

## क्लास में कोर्स के प्रति शोधार्थियों में उत्साह का माहौल

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में वर्ष 2022 में चयनित समाज विज्ञान के शोधर्थीयों का पी एच डी कोर्स कार्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा के द्वारा सफलतापूर्वक संपादित किया जा रहा है। तीसरे सप्ताह के अंतर्गत जारी क्लास में कोर्स के प्रति शोधार्धियों में न केवल उत्साह देखने को बनती है जो उनके उपस्थिति से जान पड़ती है बल्कि कॉर्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा दिये गए लघु शोध कार्यों को भी बड़े उमंग व दिलचस्पी के साथ अंजाम तक पहुंचा भी रहे है। कुलपति प्रो (डॉ) सोनाझरिया मिंज के कुशल नेतृत्व व दिशानिर्देश पर यह कोर्स विधार्थियो को बहुत ही लाभदायक सिद्ध हो रहा है। इस कोर्स वर्क क्लास में राजनीतिक शास्त्र, मनोविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र व कॉमर्स के शोध विधार्थियो की उत्साहवर्द्धक उपस्थिति रहती है। इस सप्ताह क्लास प्रो डॉ रविंद्र के एस चौधरी ने एथिकस, डॉ अमिता कुमारी ने रिसर्च प्रोसेस, डॉ बिनोद मुर्मू ने सैंपल डिजाइन तथा डॉ विनोद कुमार शर्मा ' क्षेत्र आधारित शोध की प्रारंभिक तैयारी' के व्यवहारिकता पर बातें रखी। कॉर्डिनेटर के द्वारा इस सप्ताह ' प्रीपेयर ए प्रोफाइल ऑफ टीचिंग एंड नॉन टीचिंग स्टाफ़ ऑफ एस के एम यू ' लघु शोध कार्य करने को दिया गया जिसे कुल आठ शोधार्धियों के एक समूह को कार्य करने को कहा गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जीवनी पर विस्तार से चर्चा

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, दुमका के तत्वाधान में जरमुण्डी के पूर्व विधायक एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकान्त प्रसाद की अध्यक्षता में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती मेधा दिवस के रूप में ललन बाबू के आवास पर मनाई गई। जिलाध्यक्ष दयानंद श्रीवास्तव ने राज्यसभा सांसद का स्वागत किया। जिलाध्यक्ष एवं अभयकान्त प्रसाद तथा उपस्थित सभी सदस्यों के द्वारा राजेन्द्र बाबू के फोटो पर माल्यार्पण किया गया। सरिता सिन्हा द्वारा नगर पर्षद उपाध्यक्ष बिनोद कुमार लाल का स्वागत किया गया। बिनोद कुमार लाल के द्वारा भी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के फोटो पर पुष्प अर्पित किया गया। महासभा द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद एवं नगर पर्षद उपाध्यक्ष ने सराहना अभिव्यक्त किया। मनोज कुमार घोष ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों के आगमन पर प्रशंसा अभिव्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया। महासभा के वैसे समिति के सदस्य जो अभी तक सक्रिय सदस्य नहीं बन पाये हैं उन्हे सक्रिय सदस्य बनाने हेतु जिलाध्यक्ष द्वारा प्रकिया बताई गई। अभयकान्त बाबू ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके गुणों को आत्मसात करने का संदेश दिया। महासभा की ओर से विनय कुमार ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले सभी सम्माननीय चित्रांशों एवं चित्रांशियों के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया।उक्त अवसर पर अभयकान्त प्रसाद, बिनोद कुमार लाल, जिलाध्यक्ष दयानंद श्रीवास्तव, भवानी शंकर प्रसाद, निशिकान्त बरियार, सत्येन्द्र नारायण प्रसाद, रामानंद प्रसाद, शोभा वर्मा, सरिता सिन्हा, मनोज कुमार घोष, अखिलेश कुमार सिन्हा, रमण कुमार वर्मा, शंभू प्रसाद सिन्हा, गोपेन्द्र अम्बष्ट, अनिल कुमार सिन्हा, राजाराम और विनय कुमार सहित कई चित्रांश उपस्थित थे।

### सरकारी एवं सहायक अध्यापक के साथ विशेष मासिक बैठक आयोजित

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित विकास भवन में बीईईओ सुधा कुमारी के अध्यक्षता मे शुक्रवार को कक्षा एक से पांचवी तक एवं शनिवार को कक्षा छठी से बारहवीं तक पदस्थापित सरकारी एवं सहायक अध्यापक(पारा शिक्षकों) की विशेष मासिक बैठक आयोजित हुई।बैठक मे मुख्य रूप से नूतन यूनिफॉर्म लागू किये जाने पर सभी विद्यालयों द्वारा पोशाक का वर्गवार डाटा उपलब्ध कराने, ई कल्याण पोर्टल में बच्चों की छात्रवृत्ति हेतु डाटा अपलोड करने, शिक्षक छात्र उपस्थिति बढ़ाने के लिए ई विद्या वाहिनी पर दिल्ली प्रतिदिन डाटा अपलोड करने, मध्यान भोजन का प्रतिदिन मैसेज भेजने , एवं सहायक अध्यापक आकलन परीक्षा में फॉर्म भरने की परेशानी पर चर्चा की गई इसके अलावा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का गैर आवासीय प्रशिक्षण,विद्यालय का रंग रोगन, मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना, ट्रांजिशन रिपोर्ट ,बच्चों का शत-प्रतिशत बैंक खाता खोलने आदि विषय पर समीक्षा की गई। इस मौके पर बीईईओ सुधा कुमारी ने कहा कि विद्यालयों में नए पोशाक लागू कराने के लिए सभी विद्यालयों द्वारा डाटा शीघ्र बीआरसी में उपलब्ध करावे ,साथी ई कल्याण पोर्टल में बच्चों की छात्रवृत्ति हेतु डाटा अपलोड कराएं और ई विद्या वाहिनी पोर्टल पर शिक्षक छात्र की उपस्थिति प्रतिदिन शिक्षकों द्वारा डालना सुनिश्चित करें ।मध्यान्ह भोजन योजना में प्रतिदिन मैसेज भेजना जरूरी है। कहां की इसके हम लोग प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं और संकुल साधन सेवी से प्रतिदिन का आंकड़े प्राप्त किया जा रहा है जहां पर कोताही बरती जाएगी उसकी जानकारी जिला के वरीय पदाधिकारी को कार्रवाई हेतु भेजी जाएगी।

इस मौके पर बीपीओ विनोद कुमार,बीआरपी ,बीरेंद्र नारायण अम्बष्ट,कप्यूटर ऑपरेटर मुनेश्वर मंडल सहित सभी विद्यालय सचिव,सहायक अध्यापक एवं बीआरपी सीआरपी मौजूद थे ।

### मोटरसाईकल सवार व्यक्ति की दर्दनाक मौत

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** दुमका हंसडीहा मुख्य मार्ग पर खसिया गाँव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाईकल सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी।खबर लिखने तक मृतक की पहचान नहीं हो पायी है घटना स्थल से मृतक के साथ दूर्घटना ग्रस्त जे एच 04 वी 2285 मोटरसकिल को जप्त कर हँसडीहा पुलिस थाना लेकर आयी है।शव के पोस्टमार्टम के लिए कागजी प्रक्रिया की जा रही है।

### आज होगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** मानव सूचना संग्रह सह प्रसार केन्द्र दुमका के तत्वावधान में रविवार को दुमका प्रखंड के सरूवा पंचायत के सरूवा गांव में बच्चों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर सरूवा गांव स्थित पंचायत भवन में सुबह 09 बजे से दोपहर 02 बचे तक लगेगा। शिविर में फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका के नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.राजेश रंजन बच्चों का स्वास्थ्य जांच करेंगे। संस्था के द्वारा सदस्य शशि रंजन शशि और देवराज मंडल को इस शिविर के सफल आयोजन की जिम्मेवारी सौंपी गयी है। इसकी जानकारी केंद्र के सचिव रवि कान्त सुमन ने दिया।

## कालाजार की रोकथाम को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शनिवार को प्रमुख बसंती ज्योतिका मुर्मू के अध्यक्षता में कालाजार रोकथाम के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।प्रशिक्षण में मुख्य रूप से प्रमुख उप प्रमुख ,सभी पंचायत के मुखिया एवं जनप्रतिनिधि को शामिल किया गया था।

जिला से आये भीबीडी कंसलटेंट अंजू चौड़े एवं बीपीएम अनूप कुमार शाह ने सभी जनप्रतिनिधियों को कालाजार के लक्षणों एवं इनके रोकथाम के लिए आवशयक जानकारी दी।साथ ही इसके रोकने में जनप्रतिनिधियों को पहल करने की अपील की। कहा कि समाज में काला जार को नियंत्रित करने के लिए इसको चिन्हित कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक जानकारी मुहैया कराने में आप योगदान दे और इसकी जानकारी अस्पताल कर्मियों को दें ताकि इसका समय पर इलाज किया जा सके। इसके अलावा फलेरिया, मलेरिया एवं टीबी बीमारी के बारे में भी जानकारी देते हुए बताया गया है इन सभी बीमारी का इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा में मरीजों को मरीजों का इलाज कराने की हर सुविधा उपलब्ध है । अंजू चौड़े ने कालाजार बीमारी के होने वाले लक्षणों और इनके रोकथाम के बारे में जानकारी दिया।वहीं मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस डी मिश्रा ने बताया कि जनप्रतिनिधि होने के नाते गांव में कोई भी बीमारी की जानकारी प्राप्त होती है या लक्षण का पता चलता है तो इसकी सूचना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जरूर दें और उन्हें अस्पताल भेजने के लिए प्रेरित करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा में हर सुविधा मौजूद है और इन सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है।इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने भी सभी जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि आप लोगों के पहल से कालाजार जैसे बीमारी एवं अन्य बीमारी का रोकथाम किया जा सकता है सामूहिक प्रयास से हर समस्या का निराकरण संभव है। मौके पर उप प्रमुख पूनम देवी, मुखिया राजू पूजहर, केटीएस अनूप कुमार गुप्ता ,एमटीएस प्रकाश सोरेन, केवीएस दिनेश कुमार, एसपीएस, छोटन प्रसाद सहित अनेकों स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

## डॉ राजेन्द्र प्रसाद की जयंती मनाई गई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** भारत के प्रथम राष्ट्रपति देव रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की 138वीं जयंती दुमका स्तिथ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक स्थल बाँधपाड़ा में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल एजुकेन्शल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर दुमका के गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। ट्रस्ट के अधिकृत प्रतिनिधि अरविंद वर्मा ने बताया कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राष्ट्रपति होने के अतिरिक्त उन्होंने भारत के पहले मंत्रिमंडल में 1946 एवं 1947 में कृषि और खाद्यमंत्री का दायित्व भी निभाया था। सम्मान से उन्हें प्रायः 'राजेन्द्र बाबू' कहकर पुकारा जाता है। उन्होंने बताया कि डॉ प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार के एक छोटे से गांव जीरादेई में हुआ था। इनके पिता का नाम महादेव सहाय था व माता का नाम कमलेश्वरी देवी था। इनके पिता संस्कृत व फारसी भाषा के बहुत बड़े ज्ञानी थे। जबकि माता धार्मिक महिला थी, वे राजेन्द्र प्रसाद को रामायण की कहानियां भी सुनाया करती थी। उनकी पत्नी का नाम राजवंशी देवी था।कार्यक्रम में मौजूद दुमका के वरीय अधिवक्ता जनार्दन प्रसाद यादव ने कहा कि उपराजधनी दुमका में डॉ. राजेंद्र प्रसाद की एक आदम कद प्रतिमा स्थापित करने में जिला प्रशासन ट्रस्ट के सहयोग करे। वरीय पत्रकार सह समाज सेवी सुमंगल ओझा ने बताया कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मारक स्थल उपेक्षा का दंश झेल रहा है। राजेन्द्र बाबू की चिरकालिक मांग भी अधूरी है। उन्होंने डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के निजी बाँधपाड़ा स्तिथ जमीन पर एक आदमकद प्रतिमा लगाने की मांग उपायुक्त से किया। ट्रस्ट के सदस्य सुभाष हेम्ब्रम में राजेन्द्र बाबू के जमीन के अतिक्रमण पर चिंता जाहिर करते हुए इसकी सुरक्षा की मांग जिला प्रशासन से किया हैं। युवा अधिवक्ता पंकज कुजूर ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद के प्रतिमा स्थापना प्राथमिकता के रूप में किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता अंजय प्रसाद गुप्ता, धर्मेंद्र प्रसाद, शिव कुमार गुप्ता, संतोष वर्मा, सतीश वर्मा, शिवानंद मिश्रा, धर्मवीर मिश्रा, अधिवक्ता प्रो. शैलेन्द्र सिन्हा, सुभाष हेम्ब्रम, फादर सोलोमन, नयन सेन, शिवम सिन्हा, विशाल वर्मा आदि शामिल थे।

## आरजीएस गुरुकुलम में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** राम गोपाल शर्मा गुरुकुलम में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर आसनसोल तथा केशियाबहाल पंचायत का १५ दिव्यांग व्यक्ति को सम्मानित किया गया। अनुष्ठान की शुरुआत में गुरुकुलम के संस्थापक तथा सतन आश्रम के प्रवन्ध न्यासी स्वामी आत्मानंदा ने कहा की कोई भी व्यक्ति
दिव्यांग नहीं होता है। सब के अंदर अपना अपना प्रतिभा छुपा हुआ रहता है। उनके प्रति सहानुभूति नहीं दिखाकर उनका प्रतिभा को उभारने के लिए सिर्फ हमारे हांथ से उनका हांथ को मजबूती से पकड़ना चाहिए तथा समाज की मुख्यधारा से जोड़ना चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए दुमका प्रखंड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने सभी को झारखण्ड सरकर द्वारा दिए जा रहे सभी योजना का वारे अवगत कराएं तथा उपस्थित सभी दिव्यांग व्यक्ति को सरकारी दिव्यांग प्रमाणपत्र दिया एवं आजीवन १००० रूपया/प्रति महीना सरकारी दिव्यांग भाता देने का घोषणा किया।जो इसी महीना से लागु होगा। उन्होंने इस सम्बंधित सभी प्रखंड कार्यपालक को बाकि बचे दिव्यांग व्यक्ति को इस योजना में जुड़ने का आदेश दिया। बिशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए दुमका प्रखंड के अंचल अधिकारी यामुन रबिदास ने सभी को दिव्यांग व्यक्ति के प्रति सम्मान देने का अपील किया तथा उनके कार्यालय सम्बंधित कोई भी कार्य उस विशेष रूप से अक्षम व्यक्ति को पहली प्राथमिकता के रूप में करने का अस्वाशन दिया। उन्होंने गुरुकुल की समाज के प्रति इस पहल को सरहानीय व्यक्त किया। अतिथि के रूप में दुमका मुफ्फसिल थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश राम , आसनसोल पंचायत की मुखिया पूर्णिमा पुजहर तथा दुमका की बिशेष सामाजिक कार्यकर्ता जतिन कुमार उपस्थित रहें । कार्यक्रम की शुरुआत में गुरुकुल की अध्यक्ष स्वामिनी अनुराधा एवं उपाध्यक्ष असीम मंडल ने उपस्थित सभी अतिथि गण को अंग बस्त्र तथा एलोवेरा का पौधा देकर सम्मानित किया एवं सभी उपस्थित दिव्यांग जन को कम्बल देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि दुमका प्रखंड विकास अधिकारी राजेश ×कु० सिन्हा ने सतन आश्रम में ¤फनलैंड से आये हुएं चारों पर्यटक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।अनुष्ठान के अंत में गुरुकुल के प्रधानाचार्य मिलान मंडल ने सभी अतिथि गण के प्रति आभार ब्याक्त किये। इस कार्यक्रम में गुरुकुल के सभी आचार्य एवं छात्रों उपस्थित थे।

## तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** जामा थाना क्षेत्र के दुमका भागलपुर मुख्य मार्ग पर बारापलासी रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग के समीप तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो को जामा थाना पुलिस एवं ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कालेज अस्पताल दुमका भेज दिया गया है।दोनो दुमका शिवपहाड़ के रहने वाले बताएं जाते है।फिहलाल पूरी पहचान नहीं की जा सकी है।

मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दुमका की ओर जा रहा था। तभी हंसडीहा के तरफ से दुमका की और जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बारापलासी के पहले रेलवे स्टेशन के सामने मोटरसाइकिल सवार को पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। जिसमें मोटरसाइकिल सवार दूर जा गिरा। जिसमे एक का पैर टूट गया जबकि दूसरे के माथे पर जख्म ओर शरीर पर गहरी चोट लगी है। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल तेज रफ्तार ट्रक के अगले हिस्से में फंस गया। जिसे ट्रक चालक ने भागने के प्रयास ओर लापरवाही से मोटरसाइकिल को घसीटते हुए काफी दूर ले गया। इस घटना को देख आस पास के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद ग्रामीणों ने पीछा कर ट्रक को बारा पलासी बाजार के पास पकड़ा और चालक की थोड़ी बहुत पिटाई कर जामा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों का कहना माने तो ट्रक चालक नशे में धुत तेज रफ्तार गाड़ी चला रहा था और दुर्घटना के बाद भी घायल की चिंता छोड़ कर ट्रक में फंसा हुआ मोटरसाइकिल के साथ भाग रहा था।जिसे ग्रामीणों की सतर्कता बरतने पर ट्रक चालक को बारापलासी बाजार में पकड़ा जा सका और जामा थाना को घटना की सूचना दी गयी। यस आई अनंत शर्मा ने बताया कि चालक थोड़ी नशे में था और ट्रक चला रहा था।घटना के बाद घायल को चिकित्सा हेतु अस्पताल भेज दिया गया है और चालक सहित ट्रक को जामा थाना के निगरानी में रखा गया है मोटरसाइकिल भी थाना ले आया गया है।ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। इस घटना के बाद भाजपा नेता गोकुल बिहारी सेन ने कहा कि नशे में ट्रक चलाने से दुर्घटना हुई है लेकिन प्रशासन द्वारा हंडिया दारू पीकर वाहन चलाने वाले चालको एवं सड़क किनारे नशीली पदार्थ बेचने वालों पर ठोस कार्रवाई नही की जाती हैं।बारा पलासी के आसपास कई बार सड़क हादसे में अनेकों लोगों की जान चली गई है। दुमका हंसडीहा के बीच अमरपुर के पास शराब बेचने वालों ओर वाहन चालकों के शराब पीने पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।

## महिला को कानून का सुरक्षा का सुविधा मिला पर इसका दुरुपयोग न करें: धर्मेंद्र कुमार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**साहेबगंज।** मॉडल कॉलेज राजमहल में विधि जागरूकता हेतू एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसमें डीएलएसए के सचिव धर्मेंद्र कुमार ने विस्तार से संविधान दिवस सप्ताह के तहत संविधान के प्रावधान प्रस्तावना आदि बारे में विस्तार से बताया।और सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा महिला हिंसा उत्पीड़न एवं कानून और नियमों के धारा को बताया ।
साथ ही उन्होंने हिंसा किसी भी तरह के ना करें ना होने दें सड़क दुर्घटना के बारे में बताया कि अगर सड़क दुर्घटना में कोई घायल व्यक्ति का उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाते हैं तो उसमें पुरस्कार दिया जाता है।कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कैंपस में मुख्य अतिथि के द्वारा वृक्षारोपण कराया गया।एक हाथ में संविधान तो दुसरे हाथ से पेड़ जरुर लगाए ताकि स्वस्थ राष्ट्र और स्वस्थ पृथ्वी हो ।मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र कुमार का स्वागत डॉ रणजीत कुमार सिंह ने किया। संविधान के प्रस्तावना का शपथ सभी उपस्थित छात्राओं को दिलाया गया। राष्ट्र के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद, वीर शहीद अल्बट एक्का और खुदीराम बोस को भी याद कर श्रद्धांजलि दी गई।मंच संचालन शिक्षक परवीन कुमार सिंह ने किया।मौके पर डॉ राज कुमार साहू मोहन कुमार सिंह, विक्रम ठाकुर, नीतीश कुमार, सोनू कुमार महतो, अनूप कुमार यादव, अनिमेष कुमार यादव,दीप्ति, भारती, सोना, कोमल, पायल आदि उपस्थित थे।

# ठाणे में मिली किशोरी, प्रेमी को पुलिस ने भेजा जेल

### सीडब्ल्यूसी ने चाइल्ड मैरिज का मामला किया दर्ज

### किशोरी को बालिका गृह में किया गया आवासित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** अपने प्रेमी के साथ घर से भागी रामगढ़ थाना क्षेत्र की एक 16 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने मम्बई के ठाणे इलाके से बरामद कर लिया है। दोनों ने शादी कर ली थी और वहां पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे। पुलिस ने उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शनिवार को रामगढ़ पुलिस ने किशोरी को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया। किशोरी हाथों में चुड़ियां और मांग में सिंदुर लगाये हुए समिति समक्ष प्रस्तुत हुई। किशोरी को लेकर आये पुलिस पदाधिकारी के वर्दी में होने पर समिति ने कड़ा ऐतराज जताया और चेतावनी दी कि इस तरह की गलती नहीं दोहरायी जानी चाहिये। चेयरपर्सन अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा एवं डा राज कुमार उपाध्याय की बेंच ने इस मामले की सुनवायी की और किशोरी एवं उसकी मां का बयान दर्ज किया। दोनों के बयानों से पता चला कि प्रेम प्रसंग का यह मामला पिछले दो सालों से चल रहा था और किशोरी एक बार पहले भी अपने इसी प्रेमी के साथ घर से भाग गयी थी पर पुलिस ने तब उसे सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत करने के बजाय थाना में ही समझौता करवा कर परिजनों के साथ घर भेज दिया था जिस कारण नौबत यहां तक बढ़ गयी कि यह मामला रनअवे, अपहरण, चाइल्ड मैरिज और पोक्सो एक्ट तक पहुंच गया। इंटर में पढ़नेवाली किशोरी ने अपने बयान में बताया कि उसके पिता बैंगलोर में काम करते हैं और साल-दो साल में घर आते हैं जबकि उसकी मां किराना दुकान चलाती है। 20 वर्षीय इस युवक से दो वर्ष पूर्व उसकी दोस्ती हुई थी। दोनों प्रत्येक सप्ताह मिला करते थे। बाद में दोनों ने शादी कर ली। 21 नवम्बर को दोनों बाइक से भागलपुर गये जहां से उसके प्रेमी का दोस्त बाइक लेकर वापस लौट गया। दोनों ने बरारी गंगा घाट में स्नान किया और फिर मुम्बई के ठाणे चले गये जहां प्रेमी का मामा रहता है। वहीं दोनों पति-पत्नी के तौर पर रह रहे थे जहां से पुलिस ने उसे बरामद किया है। बालिका ने अपनी मां के साथ घर जाने से इनकार किया। समिति ने पाया कि किशोरी को गहन काउनसेलिंग की जरूरत है। ऐसे स्थिति में समिति ने अगले आदेश तक किशोरी को बालिका गृह में आवासित करने का आदेश जारी करते हुए उसे धधकिया स्थित बालगृह (बालिका) में भेज दिया।

# 21 सूत्री मांगों को लेकर झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ ने मनाया काला दिवस

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर दुमका जिला में सभी दिव्यांग एकत्रित होकर इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में काला दिवस मनाया गया। विगत 8 दिनों से झारखंड राज्य के राजधानी रांची में राजभवन के समक्ष झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ के माध्यम से सभी प्रकार के दिव्यांगों के प्रति 21 सूत्री मांगों के समर्थन में शानिवार को झारखंड सरकार के विरोध काला दिवस मनाकर जनसमर्थन दिया। झारखंड दिव्यांग अंदोलन संघ के द्वारा बनाये गये 21 सुत्री मांग पत्र मे 2019 के विधानसभा चुनाव के समय गठबंधन सरकार के घोषणापत्र के अनुसार दिव्यांग जनों के पेंशन रू 2500 किया जाए ,पिछले 2 वर्षों से खाली पड़े राज्य निःशक्तता आयुक्त के पद पर अति शीघ्र नियुक्ति की जाए, झारखंड राज्य के सभी विभागों में दिव्यांगजनों के आरक्षण के अनुसार खाली पड़े बैकलॉग पदों की नियुक्ति विशेष अभियान के तहत आरक्षण रोस्टर का सही रूप से अनुपालन करते हुए सभी कोटि के दिव्यांग जनों को नियुक्ति स्वीकृत किया जाय,केंद्र एवं राज्य प्रायोजित सभी गरीबी उन्मूलन व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में सभी को दिव्यांगों को 5% आरक्षण सुनिश्चित और प्रदान करने हेतु अलग से परिपत्र आदेश संकल्प जारी की जाए राज्य अथवा जिला स्तर पर होने वाली किसी भी विभाग की संविदा अथवा मानदेय पर आधारित नौकरियों में भी दिव्यांग जनों को कोटा वार आरक्षण प्रदान किया जाए ,

- **दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत सलाहकार समिति, रिसर्च व बोर्ड का गठन अभी तक नहीं हुआ है अविलंब बोर्ड गठन किया जाएः**

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेलों में दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी एवं पैरा खिलाड़ियों को सीधी नियुक्ति दिया जाए ,महिला आयोग, अल्पसंख्यक आयोग व पिछड़ा आयोग के तर्ज पर दिव्यांग जनों के लिए अलग से आयोग गठन किया जाए,दिव्यांग जनों को सरकारी एवं गैर सरकारी संस्था में कम से कम 5% दिव्यांग जनों को उसकी योग्यता के अनुसार नौकरी दिया जाए,सरकारी विश्वविद्यालय एवं विद्यालय में दिव्यांग जनों को निशुल्क शिक्षा किया जाए एवं उसकी जाने आने के साधन और छात्रावास में निःशुल्क रहने की व्यवस्था किया जाए,देश के अन्य कई राज्यों की तरह दिव्यांग जनों को बसों में किराया दर 50% छूट किया जाए झारखंड राज्य विकलांग जन नीति का इस संदर्भ में सख्ती से अनुपालन किया जाए,दिव्यांग जनों के लिए उच्च कोटि का उपकरण समय-समय पर उनके जरूरत के अनुसार सरकार द्वारा सहयोग किया जाए,शहर के सभी सरकारी संस्थान को दिव्यांग जनों के सुविधा के अनुसार रैम्प की व्यवस्था कराई जाए जैसे - मॉल सिनेमा घर, डीसी कार्यालय प्रखंड, विश्वविद्यालय ,पार्क रेलवे प्लेटफार्म बस पड़ाव इत्यादि , दिव्यांग जनों के लिए बिजली बिल 200 यूनिट प्रतिमाह निशुल्क किया जाए,सरकार द्वारा मनोनीत किसी भी बोर्ड में कम से कम एक दिव्यांगजनों को अवशय रखा जाए,दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अनुरूप प्रत्येक जिला में दिव्यांगजनों से संबंधित मामलों के निपटारा के लिए यथाशीघ्र विशेष न्यायालय का गठन किया जाए,सभी वयस्क दिव्यांगजनों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जाए,माननीय सुप्रीम कोर्ट का 28 अक्टूबर 2021 के आदेश का पालन करते हुए झारखंड सरकार प्रत्येक सरकारी विद्यालयों में विशेष बच्चों के लिए कम से कम एक विशेष शिक्षक अविलंब बहाल करें ,दिव्यांगजन निधि योजना के तहत 50,000 की अनुदान राशि दिव्यांग सशक्तिकरण के लिए रोजगार के लिए दिव्यांग जनों के बीच आवंटन वितरण करना है जो अभी तक लंबित है ,दिव्यांग जनों को अंत्योदय कार्ड से लाभांवित कराने हेतु उपलब्ध कराई जाए ,दिव्यांग आरक्षण के हिसाब से झारखंड में पंचायत निकाय एवं विधानसभा सीटों को आरक्षित किया जाए ,दिव्यांग जनों को सरकारी एवं गैर सरकारी सार्वजनिक बाजार रहित स्थानों में स्वरोजगार हेतु दुकान उपलब्ध कराया जाए । इस बैठक में बलदेव राय ,मोहन साह, प्रियतम कुमार सिंह, डमरूधर सिंह , सुमित शर्मा , चांदन कुमार, जानकी कुमारी, प्रेमा कुमारी, अनिल मांझी , सुनील मांझी, गुड्डी देवी, कुसमी देवी, विमला कुमारी, काशीनाथ राय, दिनेश सोरेन, संजीव मोहाली, सच्चिदानंद तांती रवि मोहाली, संतोष प्रसाद साह, कृष्णा दास , मुन्ना पंडित आदि उपस्थिति थे ।

## संक्षिप्त समाचार

### भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कांग्रेस की बैठक

**देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** देवघर जिला कांग्रेस कमिटी की एक विशेष बैठक पार्टी कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक मुख्य रूप से 13 दिसंबर को निर्धारित भारत जोड़ो यात्रा तहत देवघर नगर में शहीद आश्रम से अंबेडकर चौक तक पदयात्रा की जाएगी।इस पदयात्रा में मुख्य रुप से प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर,भारत जोड़ो यात्रा के प्रदेश संयोजक सुबोध कांत सहाय,झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता एवं मंत्री आलमगीर आलम,कांग्रेस विधायक दल के नेता एवं मंत्री आलमगीर आलम,मंत्री बादल पत्रलेख,मंत्री बन्ना गुप्ता,मंत्री रामेश्वर उरांव,विधायक दल के उप नेता प्रदीप यादव,पूर्व सांसद फुरकान अंसारी,पूर्व मंत्री कृष्णानंद झा,युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज आदि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी भाग लेंगें। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एक विशेष रणनीति बनाई गई। इस निमित्त 6 दिसंबर को सभी प्रखंड व नगर अध्यक्षों एवं अग्रणी मोर्चा संगठन के जिला अध्यक्षों एवं जिला के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक पार्टी कार्यालय में आयोजित की जाएगी। तत्पश्चात सभी प्रखंडों में भी बैठक कर कार्यक्रम को सफल बनाने का सारी र तैयारी की जाएगी। इस बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र दास,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश,मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार मंडल,मकसूद आलम, झब्बू पंडित,गुलाब यादव, अश्विनी सिंह,वृजभूषण राम, रियासत,रियासत अंसारी आदि मौजूद थे।

### राहुल अध्ययन केन्द्र में शहीद खुदीराम एवं प्रथम राष्ट्रपति डा0 राजेंद्र प्रसाद की जयन्ती मनायी गई

**मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** राहुल अध्ययन केन्द्र में क्रांतिकारी शहीद खुदीराम व अजातशत्रु डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती मनायी गयी । दोनो विभुतियों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये । मौके पर जलेस के प्रांतीय सह सचिव साहित्यकार धनंजय प्रसाद ने विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुये कहा कि खुदीराम बोस देश के पहले क्रांतिकारी है , जिन्हें सबसे कम उम्र में फाँसी की सजा मिली । वे बचपन से ही देश की आजादी के लिए कुद पड़े और क्रांतिकारियों के साथ जुड़कर क्रांति के माध्यम से देश को आजाद कराना चाहते थे । ऐसे शहीदों को आजादी के इतने वर्षों बाद भी सम्मान नहीं मिला । आज तक शहीदों की सूचि में इन शहीदों का नाम दर्ज नहीं हो पाया है । उन्होनें कहा कि आज डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी की 138 वीं जयन्ती है । वे आजतशत्रु और गाँधी जी सच्चे अनुयायी थे । चंपारण आन्दोलन में बढ चढकर हिस्सा लिए तब से गाँधी के संपर्क में रहे । संविधान सभा के अध्यक्ष रहे और देश के प्रथम राष्टपति हुये । उन्होने विश्व शांति के लिए भी पहल किया । इसके अलावे सुखदेव , निसार , आलोक , राजेन्द्र आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किये!

### मधूस्थली विद्यापीठ में आयोजित किया स्पोर्ट्स क्विज

**मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** विद्यालय द्वारा आयोजित क्रियाकलापों की श्रृंखला में आज शनिवार दिनांक 3/12/2022 को खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता दो भागों में कराया गया ।प्रथम चरण में कक्षा छह से बारहवीं तक के कुल 86 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । उन्हें 43 टीम में बांटा गया। इस चरण में लिखित परीक्षा ली गई ।जिसमें कुल 14 बच्चों का अंतिम चरण के लिए चयन हुआ ।जिसे 7 टीम में बांटा गया। द्वितीय और आखरी चरण की खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रश्न स्क्रीन पर दिखाए गए और बारी-बारी से सभी टीम ने उसका मौखिक उत्तर दिया। अंतिम चरण में खेल से संबंधित पांच प्रकार के पांच पांच प्रश्न सभी टीमों से पूछा गया ।प्रत्यक्ष उत्तर देने पर 10 अंक और अप्रत्यक्ष उत्तर के लिए 5 अंक निर्धारित थे। इस प्रकार चयनित प्रतिभागियों में 55 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रहे कक्षा दशम के अंकुर मरांडी एवं आदर्श कुमार 45 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर कक्षा बारहवीं के नीतिश कुमार एवं अरमान मनिहार और 35 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर कक्षा दशम के ही पीयूष कुमार एवं सुमित कुमार। अंत में प्राचार्य वितान विश्वास ने सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया एवं विजेताओं को शुभकामना दिया उन्होंने खेल शिक्षकों एवं आयोजित करने वाले शिक्षकों को भी धन्यवाद दिया।

## उपायुक्त की अध्यक्षता में 11वी कृषि गणना के तहत प्रथम फेज के प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**देवघर।** उपायुक्त-सह-जिला कृषि गणना पदाधिकारी देवघर मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में आज दिनांक शनिवार को 11वी कृषि गणना के प्रथम फेज के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सभी को संबोधित करते हुए उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि कृषि जनगणना के कार्य डिजिटल मोड़ में लैपटॉप/टैबलेट/ स्मार्ट फोन के माध्यम से किया जाना है। आगे उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय प्रशिक्षण के माध्यम से अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं जिला स्तरीय डीपीएमयू डेटा संग्रहण, अनुसूचियों के भरने आदि कार्यो की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि फील्ड में जब डेटा संग्रहण का कार्य किया जाए तो किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही उन्होंने डेटा संग्रहण की विस्तृत जानकारी के अलावा 11वी कृषि गणना के तहत प्रथम फेज से जुड़ी विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया।

इसके अलावे उपायुक्त श्री भजंत्री ने कृषि गणना 2021-22 गणना के प्रथम फेज के प्रशिक्षणार्थियों को सबोधित करते हुए कहा कि कृषि गणना का उद्देश्य के कृषि कार्यो नए तकनीकों के प्रयोग एवं इसके विकास से है। कृषि गणना के माध्यम से हम जमीन की प्रकृति को जान पाएंगे साथ ही हम किस तरह से इसके उर्वरता को बढ़ाए इसमें भी लाभदायक साबित होंगे। ऐसे में आप सभी फील्ड में डेटा संग्रहण हेतु जाए तो सही डेटा का संग्रहण करे व एप्प में सही व सटीक उसका एन्ट्री हो। इसके अलावा उपायुक्त ने डेटा संग्रहण की विस्तृत जानकारी के अलावा 11वी कृषि गणना के तहत प्रथम फेज से जुड़ी विभिन्न जानकारियों से सभी को अवगत कराया।

- **सुओ मोटो म्युटेशन के कार्यो को ससमय करे निष्पादन : उपायुक्त**

इसके अलावे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री भजंत्री द्वारा सभी अंचलाधिकारी एवं राजस्व कर्मियों को निदेशित करते हुए कहा गया कि अंचल स्तर पर म्युटेशन, लगान रसीद के कार्यो का शतप्रतिशत निष्पादन निर्धारित समयावधि में करें ताकि आम जानो को किसी प्रकार की समस्या ना होने पाए। सुओ मोटो म्युटेशन प्रणाली के सबंध में उपायुक्त द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि सुओ-मोटो ऑनलाइन म्युटेशन (दाखिल-खारिज) प्रक्रिया का शुभारंभ किया जाना जमीन खरीद-बिक्री हेतु निबंधन, दाखिल-खारिज, रसीद कटने से लेकर रजिस्टर पंजी-2 नाम दर्ज कराने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है। राज्य सरकार का प्रयास है कि हम आम जनता को उपरोक्त सुविधाएं सरल और सुलभ रूप में उपलब्ध कराएं। अतः आप सभी सुओ- मोटो म्युटेशन के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर करे ताकि जिले के आम नागरिको को अंचल का कम से कम चक्कर लगाना पड़े।

### झारखंड जन संघर्ष मोर्चा और माले की हुई सामूहिक बैठक

- **जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ेंगे हम सब मिलकर**

**गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** शनिवार को हटिया मैदान मधुबन में माले और झारखंड जन संघर्ष मोर्चा की एक सामूहिक बैठक हुई। जिसमें,माले की ओर से गिरिडीह विधानसभा प्रभारी राजेश सिन्हा,डुमरी प्रभारी नागेश्वर महतो,माले के कन्हैया सिंह पहुंचे वही संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक अनिल किस्क,संयोजक विनोद मरिक संयोजक बसंत कर्मकार, सदस्य अजीत राय,मनोज महतो,जागेश्वर महतो,थानुराम महतो,जगदीश मरांडी ने बैठक की अगुवाई किए।बैठक का मुख्य मुद्दा था भारतीय दिगंबर जैनतीर्थ क्षेत्र कमिटी के समक्ष लगभग 27 कर्मी अपनी मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन धरना है उसके समर्थन में जनता को एकजूट करना,कमिटी वेतन कटौती करता है,आठ घंटे से ज्यादा काम लेता है,अस्थाई को स्थाई करने का मामला, ईपीएफ का मामला,बसंती देवी के आश्रित को नौकरी देना,इन सभी मांगों को लेकर बैठक हुई, बैठक के बाद सभी सदस्य धरना स्थल तक पहुंचे वहा पहुंचकर उनके साथ बैठे बात चीत की है,माले के गिरिडीह विधानसभा प्रभारी राजेश सिन्हा और डुमरी के प्रभारी ने धरणार्थी को कहा कि हम सब आपकी लड़ाई को लड़ेंगे आपकी मांग जेनवीन है।मोर्चा के सदस्य अजीत राय और अधिकारियों ने कहा की पीरटांड़ मामले में माले के साथ बैठक कर के जल्द होगा बड़ा आंदोलन,मधुबन और पिरटांड़ एरिया में दूसरे स्टेट से आकर एक भू माफिया ने पूरे इलाके में अपना दावा करते है,उसके खिलाफ भी बड़ी लड़ाई लड़नी है। माले और मोर्चा जल्द इस इलाको ने सामूहिक प्रयास से सरकारी लूट को बंद करेंगे।

- **उपायुक्त ने 25 दिव्यांग प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात प्रशस्ति पत्र प्रदान देकर किया सम्मानित**
- **आत्मनिर्भर व सशक्त समाज निर्माण के लिए सभी को मिलजुल कर कार्य करने की आवश्यकता : उपायुक्त**
- **उपायुक्त ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं के साथ बेहतर करने की बधाई दी**

## दिव्यांगता शरीर के अंग में होता है, न कि सोच में : उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**देवघर।** उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजुनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के अवसर पर एस.बी.आई. आर्सेटी, रोहिणी, देवघर द्वारा मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह का आयोजन किया। इस दौरान उपायुक्त द्वा-रा जानकारी दी गई की समापन कार्यक्रम से पूर्व इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को 24.11.2022 को शुरू किया गया था। साथ ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देवघर जिले के 25 दिव्यांग प्रशिक्ष-ओं ने मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। वही सभी प्रशिक्षुओं का जाँच परीक्षा नेशनल अकादमी ऑ×फ रुडसेटी द्वारा किया गया, जिसमें सभी प्रशिक्षुओ ने शतप्रतिशत सफलतापूर्वक परीक्षा पास किया है। ज्ञात हो कि जिले के ये सभी प्रशिक्षणर्थी विभिन्न प्रखंडों से आकर आरसेटी में सफलतापूर्वक आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री भजंत्री ने कहा कि दिव्यांगता शरीर के अंग में होता है, न कि सोच में। आप चाहे तो कोई भी काम कर सकते है, इसमें विकलांगता कभी बाधा नहीं आएगी। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं के साथ बेहतर करने की बधाई दी। आगे उन्होंने कहा कि आप सभी की सोच और काम करने का जज्बा समाज को सकारात्मक संदेश देता है, जो कि काफी सराहनीय है। इसके अलावे उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती आज फायदेमंद साबित हो रही है। मशरूम शाकाहार भोजन में विटामिन्स, खनिज, प्रोटीन एवं अन्य पोषक तत्व का महत्वपूर्ण स्त्रोत होने के कारण काफी लोकप्रिय है। पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है, जिसमें न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। जिसे बहुत कम पूंजी और छोटी जगह में भी सरलता से किया जा सकता है। सीमान्त और भूमिहीन किसानों द्वारा मशरूम उत्पादन किया जाता है। मशरूम उत्पादन को सही प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश द्वारा फायदेमन्द व्यवसाय बनाया जा सकता है। जिससे आप प्रशिक्षण से लाभ उठा कर बेहतर तर-ीके से व्यवसाय कर सकते हैं। साथ ही स्वरोजगार से जुड़ कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आप अपनी आमदनी को दिन प्रतिदिन बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा समापन समारोह के दौरान उपायुक्त श्री भजंत्री, प्र-शिक्षु आई.ए.एस अनीमेष रंजन, भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय देवघर के मुख्य प्रबंधक राजीव कुमार दुबे एवं सज्जन आनन्द, एस. एल बैठा (पूर्व एल. डी.एम. देवघर), एवं परमेश्वर मांझी (एल. डी.एम, देवघर), अच्युत नारायण सिन्हा (निदेशक आरसेटी.), के द्वारा सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र देते हुए सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

## 34 वर्षों के बाद नई शिक्षा नीति आई है इससे शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव होगा : अन्नपूर्णा

### झारखण्डधाम में कार्यकर्ताओं से संवाद किया केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**जमुआ।** भारतीय जनता पार्टी दुनियां की सबसे बड़ी पार्टी है।यह पार्टी राष्ट्र की चिंता करती है।केंद्र में पी एम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार हर क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य कर रही है जिसकी पूरी दुनियां कायल है।उक्त बातें कोडरमा की सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने झारखण्डधाम स्थित नया विवाह भवन के समकक्ष में शनिवार को कार्यकर्ताओं से संवाद कार्यक्रम में कही।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक सौ से अधिक तरह की लोक कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं।कार्यकर्ता उन योजनाओं की चर्चा अपने अपने आस पड़ोस में आम अवाम से करें ताकि आमजनों को उनकी जानकारी हो सके।कहा कि पहले विदेशों में भारत के पी एम को एक याचक के रूप में देखा जाता था।कहा कि 2014 के बाद भारत की शाख और प्रतिष्ठा दुनियां भर में बढ़ी है।आज पूरी दुनियां में रेड कार्पेट बिछाकर भारत के पी एम का स्वागत किया जाता है।कहा कि 34 वर्षो के बाद नई शिक्षा नीति आयी है।इससे शिक्षा क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव होगा।कहा कि 17वी लोकसभा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं।धारा 370 खत्म हुआ।कहा कश्मीर के लोग बतलाते हैं कि धा-रा 370 के हटने से उनके जीवन मे खुशहाली आयी है।

विधायक केदार हजरा ने कहा कि झारखंड में तीन सालों में भ्रष्टाचार बढ़ा है।लूट बढ़ी है।कहा कि भाजपा ही है जहां आम कार्यकर्ता शिखर तक जा सकता है।दूसरे दलों में परिवारवाद हावी है।कम्पनी की तरह पार्टी चलाते हैं दूसरे दल में।नेता के बाद नेता का बेटा ही पार्टी का नेतृत्व करता है पर भाजपा में ऐसा नहीं है।भाजपा में अदना सा कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने किया।सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रणव वर्मा ने भाजपा छोड़ने वाले लोगों पर चुटकी ली।सम्मेलन में किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष परमेश्वर यादव, पूर्व जीप उपाध्यक्ष कामेश्वर पासवानचतरो मण्डल के अध्यक्ष लालगोविंद मिश्र,हीरोडीह मण्डल अध्यक्ष प्रदीप सिंह,झारखण्डधाम अध्यक्ष दशरथ वर्मा, जमुआ मण्डल अध्यक्ष अशोक सिंह,नवडीहा मण्डल अध्यक्ष शंकर साव सांसद प्रतिनिधि नारायण पांडेय,विधायक प्रतिनिधि बैजू यादव,सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र यादव,केदार यादव,नरेश यादव,भोलानाथ दुबे,अजीत दुबे,उदय दुबे,पवन द्विवेदी,भिखारी राम,मुखिया महेंद्र वर्मा मनोज हजरा,रंजीत मण्डल,आशुतोष कुशवाहा,निजामुद्दीन अंसारी, के अलावे उपेंद्र सिंह,भिखारी राम,कार्तिक मण्डल,वकील विश्वकर्मा,शिवचरण महतो,लखन मण्डल,गंगाधर वर्मा,राजेश वर्मा ,मुंशी महतो भोला पासवान राजकुमार गौरव सिन्हा, सुधीर राय ,रूपलाल दास,रामानन्द सिंह सहित कई बतौर कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत है।

## कांग्रेस कार्यालय में मनायी गयी डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**देवघर।** देश के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डा. राजेन्द्र प्रसाद की 138 वीं जयंती तथा परमवीर चक्र से सम्मानित झारखंड के सपूत लांस नायक एलबर्ट एक्का की शहादत दिवस कांग्रेस कार्यालय में मनाया गया । कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुन्नम संजय की अगुवाई में सभी कांग्रेसजनों द्वारा उनके तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उन्हें नमन करते हुए उनके योगदान एवं बलिदान को याद किया । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मुन्नम संजय ने कहा कि राजेन्द्र बाबू भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे बापू के साथ चलकर भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के एक प्रमुख क्रांतिकारी नेता बने और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। वहीं इंन्दिरा जी के बंग्लादेश मुक्ति संग्राम में पाकिस्तानी सेनाओं के छक्के छोड़ाकर पूर्वी पाकिस्तान को आजाद कराने में लांस नायक एलबर्ट एक्का ने अपनी बलिदान दे दी। दुश्मन के सैनिकों को समर्पण करने पर मजबूर किया । ऐसे वीर सपूतों पर हमें गर्व है। उनकी शहादत को देशवासी कभी नहीं भूला पाऐंगें। उन्हें कोटि-कोटि नमन ।

## संपादकीय

# 'अछूत' से 'रावण' तक

**नए** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना '100 मुखी रावण' से की है और अपने 'अछूत' होने की पुरानी पीड़ा बयां की है। यह रावण राजनीतिक है, लिहाजा 100 मुखी है। ये दोनों रूपक और तुलनाएं चुनावी परिप्रेक्ष्य में अप्रासंगिक और फिजूल हैं। कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करती रही है। अब यह परंपरा पुरानी पड़ चुकी है। 1998 से आज तक तीन कांग्रेस अध्यक्ष हुए हैं और तीनों ने प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया है। दरअसल नेता के किसी भी प्रारूप में मोदी कांग्रेसी नफरत के प्रतीक रहे हैं। 2002 के गोधरा हत्याकांड और फिर गुजरात में सांप्रदायिक दंगों के बाद मोदी के प्रति उपमाएं घृणित और घनीभूत होती गई हैं। हालांकि सभी जांच आयोगों और अंततः सर्वोच्च अदालत के स्तर पर भी प्रधानमंत्री मोदी 'निर्दोष' और 'साज़िशहीन' करार दिए गए हैं। बहरहाल अपशब्दों के इस अध्याय को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि इसका विश्लेषण हम कई बार कर चुके हैं। चूंकि आज 1 दिसंबर को गुजरात में प्रथम चरण का मतदान हो रहा है, लिहाजा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के 'दलित होने के दर्द' का विश्लेषण अहम है। बेशक खड़गे जन्म और जाति से दलित हैं, लेकिन बीते 50 सालों से ज्यादा के राजनीतिक जीवन में वह 'अछूत' कभी नहीं रहे। कर्नाटक विधानसभा के लिए वह 8-9 बार विधायक चुने गए। कर्नाटक सरकार में गृहमंत्री सरीखे बेहद महत्त्वपूर्ण पद को सुशोभित किया। कर्नाटक से ही लोकसभा सांसद चुने गए और सदन में नेता प्रतिपक्ष भी बने। आज भी वह राज्यसभा सांसद हैं और अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पद छोड़ने की घोषणा की थी। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में मल्लिकार्जुन खड़गे केंद्रीय मंत्री भी रहे। इतने संवैधानिक पदों पर सार्वजनिक जीवन जीते हुए क्या कोई राजनेता अथवा व्यक्ति 'अछूत' रह सकता है? दरअसल खड़गे ने गुजरात में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था-'प्रधानमंत्री मोदी खुद को गरीब कहते रहते हैं। अरे, हम तो गरीबों के गरीब, अछूत हैं। मोदी की चाय तो लोग पी लेते थे, लेकिन मेरी तो चाय भी नहीं पीता कोई।' खड़गे का यह बयान अतिशयोक्ति और हकीकत से बहुत परे है। बेशक दलितों के 'अछूत' माने जाने का परिवेश खड़गे ने देखा और झेला होगा। उनका जन्म कर्नाटक की निज़ामशाही के दौरान हुआ। यानी राज्य में मुस्लिम हुकूमत थी। देश भी गुलाम था। उसी कालखंड में उनका घर जला दिया गया था, जिसमें उनकी माता जी की त्रासद मौत हो गई थी। मौजू सवाल यह है कि 80 साल पहले के परिवेश और आज 2022 के बीच कोई तुलना की जा सकती है? क्या आज खड़गे के 'अछूत' बयान को स्वीकार किया जा सकता है? क्या देश की आज़ादी के बाद, लोकतंत्र के दरमियान, आरक्षण कानून के लगातार लागू किए जाने और दलितों के लिए विशेष कानून बनने के बाद कोई, किसी को, 'अछूत' होने का यथार्थपरक एहसास करा सकता है? कदापि नहीं, क्योंकि अछूत कहना अब कानूनन जुर्म है। उसकी सजा दी जाती है। बेशक कोई अपवाद हो सकता है। अपराध भी अपवाद ही होते हैं। क्या ऐसा संभव है कि खड़गे के लंबे राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में किसी सवर्ण चेहरे ने जानबूझ कर, उनके साथ चाय पीने से इंकार कर दिया हो? हां, यदि कांग्रेस के भीतर ही ऐसा होता है, तो अब वह अध्यक्ष हैं और इस अछूत परंपरा को हटाने का आदेश दें। इसकी बड़ी संभावना है कि उन्होंने गुजरात चुनाव में 'दलित कार्ड' खेलने की राजनीति की हो। दलित, मुसलमान, आदिवासी और क्षत्रिय गुजरात में कांग्रेस के निश्चित वोट-बैंक थे। 'अछूत' बनाम 'रावण' की राजनीति के जरिए उस वोट-बैंक को दोबारा जिंदा नहीं किया जा सकता।



2002 के गोधरा हत्याकांड और फिर गुजरात में सांप्रदायिक दंगों के बाद मोदी के प्रति उपमाएं घृणित और घनीभूत होती गई हैं। हालांकि सभी जांच आयोगों और अंततः सर्वोच्च अदालत के स्तर पर भी प्रधानमंत्री मोदी 'निर्दोष' और 'साज़िशहीन' करार दिए गए हैं। बहरहाल अपशब्दों के इस अध्याय को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि इसका विश्लेषण हम कई बार कर चुके हैं। चूंकि आज 1 दिसंबर को गुजरात में प्रथम चरण का मतदान हो रहा है, लिहाजा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के 'दलित होने के दर्द' का विश्लेषण अहम है।

## कुछ अलग

### चीन में चिंता

चीन से जो तस्वीरें आ रही हैं, उनसे किसी को भी चिंता का एहसास हो सकता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में कोरोना महामारी काबू में आ चुकी है, पर चीन में अब भी यह वायरस लॉकडाउन का कारण बना हुआ है। दरअसल, चीन कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शून्य-कोविड नीति पर चलता आ रहा है। दिसंबर 2019 से ही चीन के लोगों ने लॉकडाउन के लंबे दौर देखे हैं। यह लॉकडाउन कितना कड़ा होता है, इसकी कल्पना भारत जैसे उदार देशों में कम ही लोग कर सकते हैं। वहां घर का दरवाजा खोलने तक की इजाजत लोगों को नहीं मिलती है। खाने-पीने का वही सामान मिलता है, जो सरकार देती है। चीनी लॉकडाउन का मतलब है, जीवन का पूर्णतः बाधित हो जाना। चूंकि चीन सरकार ने कडे.लॉकडाउन के दम पर ही अपने लोगों को महामारी के समय बचाया था, इसलिए उसे संक्रमण को रोकने का यही सबसे कारगर तरीका लगता है, लेकिन जाहिर है, लंबे लॉकडाउन से तंग आ चुके लोग अब सड़कों पर उतरने लगे हैं। दरअसल, शून्य-कोविड नीति के खिलाफ चीनियों में व्यापक गुस्से और विरोध की भावना है। बताया जाता है कि सरकार ने लॉकडाउन में कुछ राहत दी है, लेकिन लोग इसे ऊंट के मुंह में जीरा मानते हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आलोचना भी खूब हो रही है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार, देश में संक्रमण के 39,452 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 40,347 नए मामले दर्ज किए गए थे। भारत में कोविड को लेकर नेताओं और संबंधित विभागों की बयानबाजी भले ही खत्म हो गई है, पर चिंतित चीन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा है कि हम मानते हैं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व और चीनी लोगों के समर्थन से कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई सफल होगी। पिछले दिनों पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में जो घातक आग लगी थी, उसे भी लोग सख्त कोविड उपायों से जोड़कर देख रहे हैं। जो लोग विरोध कर रहे हैं, उन्हें उल्टे इरादों वाली ताकत कहा जा रहा है, इससे भी विरोध और प्रदर्शन का आकार बढ़ा है। ध्यान रहे, चीन एक ऐसा देश है, जहां शासन सोशल मीडिया को पसंद नहीं करता है। सोशल मीडिया से मिलने वाली चुनौती चीनी सत्ताधीशों को हजम नहीं होती। शासन की अनुदारता या अनुशासन के लिए कड़ाई को अब बहुत से लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। लोग सामने आकर विरोध कर रहे हैं। चीनी सरकार को आम लोगों की पीड़ा को संवेदना के साथ समझना चाहिए। विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बीजिंग और शंघाई में हो रहे हैं, जगह-जगह बैरियर लगाए गए हैं, लेकिन तब भी लोग खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं। चीन में ताजा कड़ाई का मामला इसलिए भी सामने आ गया, क्योंकि बीबीसी के संवाददाता के साथ भी मारपीट हुई है। शायद चीनी सैन्य अधिकारियों को पता न था कि वे बीबीसी संवाददाता को परेशान कर रहे हैं, मगर उनकी परेशानी अब बढ़ गई है। वैसे भी, किसी विरोध-प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश चीनी प्रशासन को ज्यादा मुफीद लगती है। विरोध की आवाज को कुचलने का पुराना चीनी इतिहास रहा है। ज्यादा चिंता वाली बात यह है कि अगर चीन में अब भी कोरोना संक्रमण तेज है, तो दुनिया को ज्यादा सचेत रहना होगा। क्या कोरोना वायरस का नया संस्करण आया है? पहले भी कोरोना वायरस चीन से ही निकलकर दुनिया में फैला था। अतः सबको सावधान रहना होगा।

चीन से जो तस्वीरें आ रही हैं, उनसे किसी को भी चिंता का एहसास हो सकता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में कोरोना महामारी काबू में आ चुकी है, पर चीन में अब भी यह वायरस लॉकडाउन का कारण बना हुआ है।

## अंतरराष्ट्रीय समर्थकों ने अमेरिका से लेकर लंदन तक में फिल्म का विरोध करना शुरू किया

# दि कश्मीर फाइल्स पर टिप्पणी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री




यदि कोई कला अपने युग को उत्तर नहीं देती तो वह कला न रह कर वल्गर बन जाती है। मुझे नहीं पता लैपिड अपनी फिल्मों में अपने युग को कितनी अभिव्यक्ति देते हैं लेकिन क्या वे सचमुच मानव को, उसके भाव प्रकटीकरण की प्रक्रिया को जानते भी हैं? यह दोष लैपिड का नहीं है बल्कि आधुनिक कला के नाम पर अभिव्यक्ति को यथार्थ से जितना दूर रखा जाएगा, वह उतनी ही कलात्मक अभिव्यक्ति मानी जाएगी। लेकिन विवेक अग्निहोत्री यथार्थ से एक कदम भी पीछे नहीं हटना चाहते क्योंकि वे जानते हैं कि एक क्षण के लिए भी ओझल होता हूं तो कला कला के नाम पर कल्पना लोक में चली जाएगी।

**कुछ** समय पहले दि कश्मीर फाइल्स फिल्म प्रदर्शित हुई थी। फिल्म में आतंकवादियों द्वारा कश्मीरियों पर किए गए अत्याचार, उनकी सामूहिक हत्याओं का मार्मिक चित्रण किया गया था। लेकिन आतंकवादियों और उनके समर्थकों का एक समूह चाहता था कि इस फिल्म का प्रदर्शन रोका जाए। उसको लगता था कि यदि उनके अमानवीय कुकृत्य सामने आ गए तो उनके बारे में देश-विदेश में जनमत प्रभावित होगा। उनका मामला कुछ कुछ 'मारे भी और रोने भी न दे' जैसा था। इसलिए आतंकवादी समर्थक इन समूहों ने फिल्म को रोकने के लिए कोर्ट कचहरी तक का दरवाजा खटखटाया। लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। फिल्म को सुनहरे पर्दे पर अपार सफलता मिली। लेकिन इन आतंकवादी समूहों और उनके समर्थकों का, जैसा कि सभी जानते हैं, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। भारत में इस फिल्म को रोकने में वे असफल रहे तो उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थकों ने अमेरिका से लेकर लंदन तक में फिल्म का विरोध करना शुरू किया। इससे एक बात तो सिद्ध हो गई कि कश्मीर में इतने दशकों से जो क़त्लेआम हो रहा था, उसके पीछे आतंकवादियों की ब्रिगेड नम्बर दो, सिविल सोसायटी के नाम पर सक्रिय थी। तथाकथित आधुनिक काल में, कश्मीर में जो कुछ हुआ, किस प्रकार कश्मीर से कश्मीरियों को ही निष्कासित होना पड़ा, उन्हीं के अपने ही भाई बंधुओं ने इस पर जश्न मनाया, इसको विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म के माध्यम से आम आदमी तक पहुंचाने का प्रयास किया। अब गोवा में भारत के अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी यह फिल्म पहुंच गई। इस समारोह में कला विशेषज्ञों की बहुत बड़ी ज्यूरी बैठती है। वह फिल्मों को कला के दृष्टिकोण से जांचती परखती है। उसका पोस्टमार्टम करती है। ज्यूरी के अध्यक्ष नदव लैपिड थे, जो इजराइल के रहने वाले हैं और ख़ुद भी फिल्में बनाते हैं। समारोह के अंत में लैपिड को ज्यूरी की ओर से प्रदर्शित की गई फिल्मों के बारे मे अपना अभिमत देना था। उसने अन्य फिल्मों पर अपनी राय प्रस्तुत करते हुए अचानक दि कश्मीर फाइल्स को लेकर आक्रामक रुख अपना लिया। उसने कहा यह फिल्म कला सैक्शन में तो रखने लायक थी ही नहीं। मैं हैरान हूं यह इस सैक्शन में पहुंच कैसे गई? यह फिल्म बिल्कुल वाहियात है। यह केवल मात्र प्रोपेगंडा है। लैपिड केवल यहीं तक नहीं रुका। उसने अपनी सीमा भी पार कर ली। उसने कहा फिल्म वल्गर है। यह एक प्रकार की गाली ही है। बाद में उसने यह भी कहा कि जब किसी देश के लोग डर के कारण नहीं बोलते तो किसी को तो बोलना पड़ता है। इसलिए मुझे फिल्म को लेकर यह कहना पड़ा। लैपिड अपना यह सारा बयान किसी लिखे हुए कागज से पढ़ रहे थे। साथ ही उसने यह भी कहा कि आम तौर पर मैं इस प्रकार के कार्यक्रमों में पढ़ कर नहीं बोलता, लेकिन आज पहली बार ऐसा कर रहा हूं। लैपिड ने दूसरे दिन यह भी कहा कि मुझे कश्मीर में क्या हो रहा है, उसके बारे में बहुत जानकारी नहीं है। लेकिन कश्मीर से संबंधित फिल्म पर टीका-टिप्पणी करने के लिए मुझे कश्मीर के बारे में ज्यादा जानने की जरूरत भी महसूस नहीं होती। दि कश्मीर फाइल्स को लेकर देश में टुकड़े टुकड़े गैंग पहले ही सक्रिय था। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद फिल्म को लोगों ने सराहा। ज़ाहिर है टुकड़े टुकड़े गैंग निराश हुआ। लेकिन यह भी सभी जानते हैं कि टुकड़े टुकड़े गैंग की भुजाएं देश से बाहर भी फैली हुई हैं। किसान आंदोलन के समय उसके सबूत व संकेत भी मिले ही थे । क्या नदव लैपिड उस गैंग के नेटवर्क की पकड़ में आ गया? यदि ऐसा न होता तो उसे यह कहने की जरूरत न होती कि इस देश में डर के मारे लोग फिल्म के खिलाफ बोल नहीं सकते, इसलिए मुझे इसके बारे में बोलना पड़ा। इतना ही नहीं बिना कश्मीर के बारे में जानते हुए बोलना पड़ा। इससे यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठता है कि लैपिड किस का लिखा हुआ कागज़.पढ़ रहे थे? क्योंकि लैपिड द्वारा कागज़. को पढ़ देने के तुरंत बाद स्वरा भास्कर से लेकर कांग्रेस व टूट चुकी शिवसेना तुरंत एक बार फिर फिल्म की निंदा करने लगी और लैपिड की हां में हां मिलाती हुई अपनी मुंडियां हिलाने लगीं। अब रहा फिल्म के कला सैक्शन के अयोग्य होने और वल्गर होने का प्रश्न। लैपिड की दृष्टि में फिल्म में मर रहा कश्मीरी रोता है, इसलिए वह प्रचार बन गया है। कश्मीरी इतने साल से मर रहा है और रो रहा है। केवल रो ही नहीं रहा, चीत्कार कर रहा है। उस चीत्कार से कला की पारखियों के चिंतन में ख़लल पड़ता है। यदि यह कश्मीरी न रोता, न चीत्कार करता, केवल अपने चेहरे पर अंदर का दर्द दिखा देता तो यक़ीनन यह लैपिड के पैमाने के हिसाब से कला की उत्कृष्ट फिल्म बन जाती। लेकिन विवेक अग्निहोत्री जानते थे कि यदि अब भी कश्मीरी न रोया तो उसकी नस्लें बिना नोटिस लिए दबा दी जाएंगी । इसलिए अब चीखना जरूरी था। कोई भी कला अपने युग की ही अभिव्यक्ति को ही समर्पित होती है। वही कला का उत्कृष्ट रूप होता है। यदि कोई कला अपने युग को उत्तर नहीं देती तो वह कला न रह कर वल्गर बन जाती है । मुझे नहीं पता लैपिड अपनी फिल्मों में अपने युग को कितनी अभिव्यक्ति देते हैं लेकिन क्या वे सचमुच मानव को उसके भाव प्रकटीकरण की प्रक्रिया को जानते भी हैं? यह दोष लैपिड का नहीं है बल्कि आधुनिक कला के नाम पर अभिव्यक्ति को यथार्थ से जितना दूर रखा जाएगा, वह उतनी ही कलात्मक अभिव्यक्ति मानी जाएगी। लेकिन विवेक अग्निहोत्री यथार्थ से एक क़दम भी पीछे नहीं हटना चाहते क्योंकि वे जानते हैं कि एक क्षण के लिए भी ओझल होता हूं तो कला कला के नाम पर कल्पना लोक में चली जाएगी । दि कश्मीर फाइल्स भीतर से निकली हुई चीत्कार है, वह कला के नाम पर किया गया रुदाली रुदन नहीं है जो लैपिड करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह दर्शकों के दिल में झंझावत पैदा कर देने वाली कश्मीरियों की दर्दनाक चीख़ है जो हर उस व्यक्ति को दहला देती है जो लैपिड न हो। दरअसल लैपिड की टिप्पणी इससे अलग हो ही नहीं सकती थी क्योंकि उसके आचरण से लगता है कि वह पूरे फेस्टीवल में इसी फिल्म की उसी प्रकार तलाश कर रहा था जिस प्रकार कोई शिकार जंगल में शिकार की तलाश कर रहा होता है। खोजने की बात केवल इतनी ही है कि लैपिड के हाथ में वह कागज़.किसने पकड़ाया था। लैपिड ने स्वयं कहा कि आज तक मैंने कभी भी कागज़.से पढ़ कर अपना वक्तव्य नहीं दिया था। आज पहली बार लिखा हुआ पन्ना पढ़ रहा हूं। यह पढना लैपिड को किसने सिखाया? जो लोग कश्मीरियों के दर्द को नहीं जानते वे लोग दयालु नहीं हो सकते।

# राजस्थान में कांग्रेस की कमजोरियों का फायदा नहीं उठा पा रही है भाजपा



भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों बयान दिया था कि उपचुनाव में कांग्रेस जीतती है और मुख्य चुनाव में भाजपा जीतती है। पूनियां का कहने का आशय था कि राजस्थान में विधानसभा के जो उपचुनाव हुए हैं उनमें अधिकांश में कांग्रेस पार्टी जीती है। भाजपा सिर्फ राजसमंद विधानसभा सीट का ही उपचुनाव जीत पाई है। राजसमंद में भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी के निधन होने से उनकी बेटी दीप्ति माहेश्वरी को टिकट देकर भाजपा ने उपचुनाव लड़वाया था और दीप्ति माहेश्वरी चुनाव में जीत गई थीं। इसके अलावा अन्य सभी सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा की हार हुई थी। इतना ही नहीं भाजपा ने धरियावद से पार्टी विधायक गौतम लाल मीणा के निधन से हुए उपचुनाव में उनके बेटे कन्हैया लाल मीणा का टिकट काटकर खेत सिंह को चुनाव लड़वाया था।

**राजस्थान** में आगामी पांच दिसंबर को सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। उपचुनाव जीतने के लिए जहां प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी के नेता अपनी पूरी ताकत लगाए हुए हैं। वहीं मतदान से पूर्व ही भाजपा नेताओं ने हार मान ली है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों बयान दिया था कि उपचुनाव में कांग्रेस जीतती है और मुख्य चुनाव में भाजपा जीतती है। पूनियां का कहने का आशय था कि राजस्थान में विधानसभा के जो उपचुनाव हुए हैं उनमें अधिकांश में कांग्रेस पार्टी जीती है। भाजपा सिर्फ राजसमंद विधानसभा सीट का ही उपचुनाव जीत पाई है। राजसमंद में भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी के निधन होने से उनकी बेटी दीप्ति माहेश्वरी को टिकट देकर भाजपा ने उपचुनाव लड़वाया था और दीप्ति माहेश्वरी चुनाव में जीत गई थीं। इसके अलावा अन्य सभी सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा की हार हुई थी। इतना ही नहीं भाजपा ने धरियावद से पार्टी विधायक गौतम लाल मीणा के निधन से हुए उपचुनाव में उनके बेटे कन्हैया लाल मीणा का टिकट काटकर खेत सिंह को चुनाव लड़वाया था। जहां भाजपा प्रत्याशी को कांग्रेस के पूर्व विधायक नगराज मीणा के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा था। कांग्रेस ने जितने भी विधानसभा उपचुनाव जीते, उन सभी सीटों पर मृतक विधायकों के परिवारजनों को ही प्रत्याशी बनाकर सहानुभूति फैक्टर का फायदा उठाया था। जबकि भाजपा ऐसा करने में विफल रही। चूरू जिले की सरदारशहर सीट पर भाजपा ने पूर्व में चार बार चुनाव लड़ चुके अशोक पिंचा को अपना प्रत्याशी बनाया है। अशोक पिंचा एक बार 2008 में जीतने में सफल भी रहे थे। मगर उसके बाद लगातार हारते रहे हैं। हालांकि पिंचा ने उपचुनाव लड़ने के लिए मना कर दिया था। मगर पार्टी नेतृत्व ने उन्हीं पर भरोसा जताते हुए उन्हें चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतार दिया। सरदारशहर विधानसभा सीट भाजपा के लिए ज्यादा अच्छी नहीं मानी जाती है। भाजपा प्रत्याशी यहां सिर्फ दो बार जीते हैं। 1980 में मोहनलाल चुनाव जीते थे। मगर उनके निधन पर 1982 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के केसरी चंद बोहरा जीतने में सफल रहे थे। 2008 में भाजपा के अशोक पिंचा चुनाव जीते थे। इसके अलावा सरदार शहर में भाजपा कभी कोई चमत्कार नहीं दिखा पाई थी। कांग्रेस ने जहां सात बार जीते हुए विधायक भंवरलाल शर्मा की मृत्यु होने पर उनके बेटे अनिल शर्मा को मैदान में उतारा है। वहीं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने लालचंद मुंड को प्रत्याशी बनाया है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का प्रत्याशी आने से सरदार शहर में मुकाबला तिकोना माना जा रहा है। लालचंद मुंड जाट समाज से आते हैं तथा एक बार पूर्व में बसपा से चुनाव लड़ चुके हैं। वह पिछले पांच साल से डेयरी चेयरमैन हैं तथा पूर्व में सरपंच भी रह चुके हैं। अभी उनकी पत्नी सरपंच हैं। सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक जाट मतदाताओं की संख्या है। ऐसे में यदि जाट मतदाता लालचंद मुंड के पक्ष में एकजुट हो जाते हैं तो चुनावी संघर्ष काफी कड़ा हो सकता है। कांग्रेस प्रत्याशी अनिल शर्मा ब्राह्मण समाज से हैं। अनिल शर्मा को गहलोत सरकार में राज्यमंत्री का दर्जा मिला हुआ था। उनके पिता भंवरलाल शर्मा राजस्थान ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष थे तथा राजस्थान में भैरोंसिंह शेखावत की सरकार में नहर मंत्री रह चुके थे। सरदारशहर से सात बार जीतकर भंवरलाल शर्मा राजस्थान के बड़े नेता माने जाते थे। कांग्रेस प्रत्याशी अनिल शर्मा को जहां सहानुभूति के वोट मिलने की पूरी संभावना है। वहीं वह स्वयं भी अपने पिता के साथ राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहे हैं। क्षेत्र के मतदाताओं से उनकी सीधी पहचान है। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार होने का भी उनको पूरा फायदा मिलेगा। अशोक शर्मा के नामांकन के वक्त स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मौजूद रहे थे। राजस्थान सरकार के कई मंत्री और विधायक सरदारशहर उपचुनाव जीतने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी अशोक पिंचा की स्वयं की छवि काफी साफ-सुथरी है। मगर उन्हें पार्टी की तरफ से भरपूर सहयोग नहीं मिल पा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को भाजपा प्रत्याशी अशोक पिंचा के चुनाव प्रभारी बनाए जाने के कारण वसुंधरा गुट के नेता ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आ रहे हैं। अर्जुनराम मेघवाल सांसद बनने से पहले कुछ समय तक चूरु जिले के कलेक्टर रह चुके हैं। इसी कारण उनको सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव की कमान दी गई है। अर्जुनराम मेघवाल बड़बोले किस्म के नेता हैं। इसलिए वह पार्टी नेताओं को एकजुट करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। अशोक पिंचा को पार्टी टिकट दिलाने में पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां व विधानसभा में विपक्ष के उप नेता राजेंद्र राठौड़ की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने ही पिंचा को चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया था। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद लगातार चुनाव में हारने के कारण सतीश पूनियां की छवि एक हारने वाले प्रदेश अध्यक्ष की बन चुकी है। इसी कारण प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों बयान भी दिया था कि यदि पार्टी के सभी नेता मिलकर मेहनत करेंगे तो हम उपचुनाव जीत सकते हैं। सरदार शहर में भाजपा की स्थिति मजबूत करने के लिए वसुंधरा सरकार में मंत्री रहे राजकुमार रिणवा व गहलोत सरकार में संसदीय सचिव रहे जयदीप डूडी को भाजपा में शामिल करवाया गया है। दोनों नेताओं को उपचुनाव में सक्रिय भूमिका देकर मेहनत करने की जिम्मेदारी दी गई है। राजकुमार रिणवा 2018 के विधानसभा चुनाव में टिकट कटने के कारण रतनगढ़ से निर्दलीय चुनाव लड़े थे और जमानत जब्त करवा बैठे थे। फिर वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे। मगर वहां भी उन्हें महत्व नहीं मिला था। इस कारण वह काफी दिनों से भाजपा में आने का प्रयास कर रहे थे। मगर प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने उनकी घर वापसी रोक रखी थी। लेकिन विधानसभा उपचुनाव के कारण उनकी घर वापसी हो गई।

## देश दुनिया से

### घटती विकास दर के बावजूद उम्मीदें

**भारतीय** अर्थव्यवस्था से जुड़ी तीन खबरें अभी सुर्खियों में हैं। पहली, साल की दूसरी तिमाही में विकास की रफ्तार धीमी पड़ी है और जुलाई-सितंबर के दरम्यान विकास दर घटकर 6.3 फीसदी पर आ गई। दूसरी, विश्व बैंक ने कहा है कि विदेश में कमा रहे भारतीयों ने इस साल देश में रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर भेजे। और तीसरी, विदेशी निवेशकों में बढ़ते विश्वास से भारतीय शेयर बाजार में तेजी कायम है और दिसंबर के पहले दिन भी इसने मजबूत शुरुआत की। क्या यह देश की आर्थिक सेहत के लिए सुखद है? इस प्रश्न का जवाब ढूंढ़ने से पहले हमें मुख्य आर्थिक सलाहकार वीए नागेश्वरन के बयान पर गौर करना चाहिए, जिन्होंने कहा है कि यह वक्त सावधानी से आगे बढ़ने का है। असल में, संकट के दौरान अर्थव्यवस्था लुढ़कती ही है और यह गिरावट जितनी तेज होती है, अगले साल उछाल उतनी ही अधिक दिखती है। इसी कारण 'विकास दर' के बजाय 'सकल घरेलू उत्पाद के स्तर' से तुलना करने की वकालत की जाती है और महामारी से पहले, यानी 2019-20 के बरअक्स आज हमारा विकास बहुत ज्यादा नहीं दिखता। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अगली दोनों तिमाही में कम वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। मगर चिंता की बात महज वृद्धि दर नहीं है। अर्थव्यवस्था में कई सेक्टर अब भी बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। फिर, कृषि को छोड़कर तिमाही के आंकड़ों में असंगठित क्षेत्र को शामिल नहीं किया जाता, जिसके कारण उसकी सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। हालांकि, इस बार कृषि के आंकड़े भी भरोसा नहीं जगा रहे। इस साल दूसरी तिमाही में पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति थी। बिहार, बंगाल, ओडिशा जैसे कई धान-उत्पादक राज्यों में बुआई भी कम की गई। मगर, दूसरी तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि में करीब साढ़े चार फीसदी की वृद्धि हुई है, जो समझ से परे है। दूसरी तिमाही के आंकडे. यह मुनादी कर रहे हैं कि संगठित क्षेत्र अब रफ्तार पकड़ने लगा है, लेकिन इसकी कीमत असंगठित क्षेत्र चुका रहा है, क्योंकि उसकी मांग संगठित क्षेत्र ने हड़प ली है। बावजूद इसके खनन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नकारात्मक वृद्धि चिंताजनक है। सर्विस सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, क्योंकि पिछले साल इसी तिमाही में कोरोना की दूसरी लहर में यह बमुश्किल सांस ले पा रहा था। हां, विमानन कंपनियां अब भी यात्रियों के मामले में 2019-20 के स्तर तक नहीं पहुंच सकी हैं। देखा जाए, तो शेयर बाजार में तेजी की बड़ी वजह यही है। रिजर्व बैंक ने भारतीय शेयर बाजार की 2,700 कंपनियों का जो आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक, इन कंपनियों की बिक्री में 41 फीसदी और लाभ में तकरीबन 20 प्रतिशत का उछाल आया है। इनके फायदे निवेशकों को लुभा रहे हैं। चूंकि बैंकों की ब्याज दर बढ़ने के बावजूद अब भी कम है, इसलिए संगठित क्षेत्र के वेतनभोगियों की बचत शेयर बाजार में पहुंच गई है। आंकड़ों की मानें, तो बैंकों से निकासी बढ़ी है, लेकिन उस अनुपात में पैसे जमा नहीं हो रहे। विदेशी निवेशक भी इसके आकर्षण से नहीं बच पाए हैं। स्थिति यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में बैंक-दर में वृद्धि के बावजूद तीन-साढ़े तीन फीसदी तक रिटर्न मिल पाता है, जबकि भारत में शेयर बाजार से 10 फीसदी तक रिटर्न संभव है। इससे यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि देश में सब कुछ बेहतर है। संगठित क्षेत्र अपने बूते यह सब नहीं कर रहा। पिछले कुछ महीनों में असंगठित क्षेत्र की कई कंपनियां दम तोड़ चुकी हैं। हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड की एक रिपोर्ट कहती है कि उनका मार्केट शेयर इसलिए बढ़ा, क्योंकि छोटी-छोटी कंपनियां परिस्थितियों से मुकाबला नहीं कर सकीं और उनकी मांग संगठित क्षेत्र के हिस्से में आ गई। यह सभी उद्योगों में हुआ है। पारले-जी बिस्कुट की बिक्री ही इसलिए बढ़ी, क्योंकि छोटी-छोटी कंपनियां प्रतिस्पद्र्धा से बाहर हो चुकी हैं। रही बात, विदेश से भारतीयों द्वारा भेजे जाने वाले धन की, तो मूलतः दो तबके को यह सहूलियत हासिल है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अगली दोनों तिमाही में कम वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। मगर चिंता की बात महज वृद्धि दर नहीं है। अर्थव्यवस्था में कई सेक्टर अब भी बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। फिर, कृषि को छोड़कर तिमाही के आंकड़ों में असंगठित क्षेत्र को शामिल नहीं किया जाता, जिसके कारण उसकी सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। हालांकि, इस बार कृषि के आंकड़े भी भरोसा नहीं जगा रहे। इस साल दूसरी तिमाही में पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति थी। बिहार, बंगाल, ओडिशा जैसे कई धान-उत्पादक राज्यों में बुआई भी कम की गई। मगर, दूसरी तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि में करीब साढ़े चार फीसदी की वृद्धि हुई है, जो समझ से परे है।

## नागरिक बोध

# कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा राहुल सफलता के सोपान तय कर पाएंगे ?

**कांग्रेस** को उदासी से ज्यादा गुस्सा है। नेता पूछते है,आखिर मोदी को उन नीतियो के लिए कैसे इतना बड़ा समर्थन मिलता है। जिसे विपक्ष के लोग भारतीय लोकतंत्र और सेक्युलर ढांचे के खिलाफ मानते है। 1977 में इंदिरा गांधी को लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी से भयंकर हार का सामना करना पड़ा और उनके हाथ से भी सत्ता निकल गई थी,तब न तो हताश हुई थी और न ही नाराज। उन्होंने हार को अवसर माना और वह फिर से पार्टी को खड़ा कर सके ताकि राजनीतिक स्तर पर ही लड़ाई लड़ कर राजनीतिक वापसी हो सके। उनका नौजवान बेटा संजय गांधी ,जिसने 1975 में इमरजेंसी लगवाने और जनता पर अनुशासन के नाम पर जुल्म ढाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। उन्होंने कांग्रेस की हार में अपनी भूमिका मानकर माफी मांग ली ।लेकिन हमने ऐसी कोई भी बात राहुल गांधी या सोनिया से नही सुनी,जबकि सोनिया गांधी की गैर मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी के प्रभारी रहे हुए है। कांग्रेस के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पद भार संभालते ही मोदी पर अपशब्दों का प्रहार किया। और कांग्रेस की देश मे किरकिरी देखने को मिली। वैसे भी पी चिंदम्बर व्यक्तिगत रूप से मोदी की प्रशंसा कर चुके है तो उनके आलेखों में भी मोदी छाये रहते है। कांग्रेस के विचारों में बदलाव की जरूरत है। कांग्रेस ने 2014 में कहा था कि मोदी कभी प्रधानमंत्री नही बन सकता। ऐसा तंज और नरेंद्र मोदी के लिए अपमान की बोली कांग्रेसी नेताओं में ही नही,बल्कि लालू यादव और ममता बनर्जी में भी है। विपक्ष यह समझ नही पाता कि ऐसा तंज और अहंकार केवल मोदी और भाजपा को बढावा ही देता है। 2014 में लोकसभा चुनाव के बाद हार के बाद कांग्रेस ने एक कमिटी बनाई, किसका काम कांग्रेस की हार का पता लगाना था। रिपोर्ट में सामने आया कि कांग्रेस अल्पसंख्यको का तुष्टिकरण मतलब मुसलमान है। बहुमतवाद भारत के सेक्युलर चरित्र को खत्म कर देगा। भारत के सेक्युलर लोकतंत्र पर नरेंद्र मोदी की छाया में कोई खतरा नही है। कोई भी राजनीतिक दल भारतीय संविधान की प्रस्तावना को बदल नही सकता है।आज जयप्रकाश नारायण की हैसियत वाला कोई नेता नही है। भाजपा के विरोध में महागठबंधन बना लिया गया है तो भी मोदी की लोकप्रियता अभी खत्म नही हुई है। मोदी के जयकारों से देश दुनिया गुंजायमान होती है। राहुल ने हजारो किमी की भारत जोड़ो यात्रा कर दी है। एमपी के बाद आगामी दिनों में राजस्थान होते हुए हरियाणा पहुंचेगी। राहुल ने देश की जनता को मोदी विरोधी बयानों और नफरत का बीजारोपण ही कर रहे है। राहुल देश मे भय और नफरत फैली है उसको दूर करने और भारत जोड़ो यात्रा से खोई हुई राजनीति को वापस हासिल करने के लिए दौड़ रहे है। कांग्रेस की विचारधारा और विचारभेद के कारण देश मे नफरत के बीज बोये गए थे। कांग्रेस ने राम को तो नही माना और रावण के नाम पर भाजपा पर प्रहार किया जा रहा है। महागठबंधन की राह में जो बाधा है वह कांग्रेस पार्टी ही है। 137 वर्ष पुरानी पार्टी ने अपनी पहचान खत्म कर अपने को छोटा कभी नही होने देगी। कांग्रेस राहुल के लिए प्रधानमंत्री बनने के सपने से संजोए हुए है ।लेकिन राहुल इस पद के लिए तैयार है? क्योंकि पद त्याग करना उनकी विरासत से मिला हुआ । सोनिया ने भी प्रधानमंत्री का पद त्याग दिया था। मुसलमानो ने भाजपा को वोट किया था और मुस्लिम महिलाओं के एक वर्ग ने मोदी को वोट किया है।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित, प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136( इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

# वैक्स कोटेड जीन्स

**इन जीन्सा को वास्तव में पेंट किया जाता है तथा इन पर मोम की कोटिंग या वैक्स ग्लेज्ड किया जाता है ताकि इन पर विशेष चमक पैदा हो जाए।**

**वाटरप्रूफ,** शाइनी, लैदर लुक वाली वैक्स कोटेड जीन्स हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड में चोटी की हीरोइनों की पहली पसंद बनती जा रही हैं। हाल के दिनों में अमेरिकी गायिका रिहाना से लेकर बॉलीवुड अभिनेत्रियां प्रियंका रिहना से लेकर बॉलीवुड अभिनेत्रियां प्रियंका चोपड़ा तथा प्रिटी जिंटा उन सैलीब्रिटीज में शामिल रही हैं जो वैक्स कोटेड जीन्स में दिखाई दी हैं।

सर्दियों के मौसम में तो ये जीन्स उपयुक्त विकल्प बन जाती हैं। ऐसे में इनको अपने वार्डरोब में शामिल करना जरूरी हो जाता है।

जिन युवतियों को लैदर लुक पसंद तो है परंतु वे जानवरों की खाल से बने परिधान पहनना पसंद नहीं करती हैं, उनके लिए वैक्स इफैक्ट वाली ये जीन्स उपयुक्त साबित होती हैं। ये दिखने में लैदर जैसी लुक देती हैं परंतु इन्हें पहनने पर जरा भी लैदर के परिधानों की तरह स्टकी तथा स्टिकी एहसास नहीं होता है।

फैशन स्टाइलिस्ट निधि माथुर बताती हैं, ''आप अनेक सैलीब्रिटीज को इन जीन्स के साथ लम्बे टॉप्स तथा हाई हील बूट्स का इस्तेमाल करते देख सकती हैं। इनकी एक खास बात है कि ये चमड़े के विपरीत त्वचा को सांस लेने देती हैं।''

इन जीन्स को वास्तव में पेंट किया जाता है तथा इन पर मोम की कोटिंग या वैक्स ग्लेज्ड जाता है ताकि इन पर विशेष चमक पैदा हो जाए।

इस तरह की जीन्स की एक बड़ी कमी कि समय के साथ मोम उतर जाता है तथा इनकी चमक जाती रहती है। वैसे मोम के उतर जाने पर ये सैमी शाइरा भी करवाया जा सकता है।

वैक्स्ड जीन्स की देखभाल काफी ध्यान से करनी पड़ती है। इन्हें धोने का सबसे सुरक्षित तरीका है कि इन्हें ठंडे पानी में ही साफ किया जाए। साबुन का इस्तेमाल या ड्राई क्लीनिंग इनके मोम को निकल देगा।

## घर पर भी बना सकती हैं वैक्स्ड जीन्स

ब्रांडेड वैक्स कोटेड जीन्स काफी महंगी मिलती हैं मिलती हैं परंतु यदि आप जेब अधिक ढीली नहीं करना चाहती हैं तो इन्हें घर पर भी तैयार पर सकती हैं।

अपनी किसी आम जीन्स पर एक्रैलिए पेंट (कपड़ो के लिए इस्तेमाल होने वाला पेंट) करें। चूंकि यह पेंट जल्द सूखता है, वैक्स्ड लुक हासिल करने का यह सबसे आसान तथा तेज तरीका है।

इसको लिए अपने से एक या दो साइज बड़ी जीन्स का चुनाव करें क्योंकि एक्रैलिक पेंट कपड़े को सुखा सकता है जिससे वह सिकुड़ जाती है।

## परफैक्ट वैक्स्ड लुक के लिए...

लम्बा टॉप तथा वैक्स्ड जीन्स बढिया लगती है। चूंकि सर्दियों का मौसम शुरू है तो इन्हें लैदर या स्यूड बूट्स के साथ पहन कर भी अपनी लुक को कम्पलीट कर सकती हैं। इनके साथ अधिक असैसरीज का इस्तेमाल न करें।

चूंकि वैक्स्ड जीन्स में काफी चमक होती है, ये क्लब या पार्टीज के लिए भी उत्तम होती हैं। इनके साथ अधिक चटखदार रंगों वाले परिधानों या आभूषणों का इस्तेमाल न करें।

इन जीन्स के साथ क्लासी बैग पकड़ कर अपनी लुक में खास टच दे सकती हैं।

# प्लेयूरिसी हेल्थ प्लस

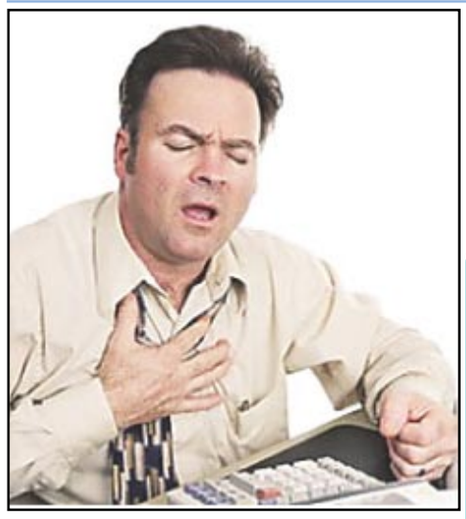

**गहरी सांस लेने पर तेज हो जाने वाला सीने का दर्द (प्लेयूरिस) खून के थक्के, निमोनिया, सीने में लगी चोट, कोलैप्स्ड लंग, फेफड़ो के ट्यूमर या फेफड़ों के अन्य रोगों के कारण भी हो सकता है।**

**अपने** आप में प्लेयूरिसी कोई रोग नहीं बल्कि एक लक्षण है। यह सीने तथा फेफड़ों के मध्य सुरक्षा परत का काम करने वाले एक मैम्ब्रेन (प्लेयूरा) में होने वाली जलन होती है।

प्लेयूरा एक बहुत ही कोमल, पतली तथा नमी से भरी परत होती है जिसका काम सांस लेते तथा छोड़ते समय फेफड़ों के संकुचित होने एंव फैलने से फेफड़ों तथा सीने के मध्य घर्षण को कम करना होता हैं।

यदि प्लेयूरा में सूजन आ जाती है या किसी रोग के प्रभाव के कारण इसकी नमी खत्म हो जाती है तो और यह तो सांस लेते समय तेज दर्द पैदा हो सकता है।

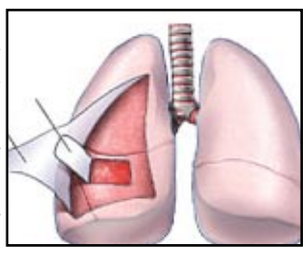

साधरण शब्दों में कहें तो इसका कारण फेफड़ो तथा सीने के मध्य प्लेयूरा की सुरक्षा खत्म हो जाना होता है जिससे सांस लेते समय फेफड़े तथा सीना आपस में रगड़ खाने लगते हैं। प्लेयूरिसी के दौरान ऐसा लगता है कि आपकी सांस बार-बार रूक रही हो। निमोनिया इसका एक आम कारण है जिसमें फेफड़ों से इसका संक्रमण प्लेयूरा तक फैल सकता है जिससे प्लेयूरिसी की समस्या समस्या पैदा हो सकती है। वैसे निमोनिया प्लेयूरिसी की समस्या के बिना भी हो सकता है।

फेफड़ों में जमा खून का थक्का, सीने में लगी चोट, कोलैप्स्ड लंग (फेफड़ों का बेहद सिकुड़ जाना) तथा फेफड़ों को प्रभावित करने वाले अन्य कई रोग प्लेयूरिसी का कारण बन सकते हैं।

उपरोक्त लक्षणों के सामने आने पर जल्द से जस्द चिकित्सक से पड़ताल करवा कर उपयुक्त उपचार प्राप्त करना जरूरी है ताकि यह समस्या गम्भीर क्षति न पहुंचा सके।

# माता-पिता ही रखें बच्चों की पौष्टिकता का ध्यान

**अक्सर** मांओं को शिकायत होती है कि बच्चे खाने समय दाल-रोटी-सब्जी का नाम सुनते ही कुछ न बहाने बनाने लगते है जैसे भूखा नही, पेट दर्द हो रहा है, उल्टी आ रही है। अगर उन्हें उसी समय चिप्स, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक दिया जाए तो न तो पेट दर्द होता है, न भूख की कोई शिकायत, न उल्टी आती है। वे फटाफट स्वीकार कर झटपट खाने की फिराक में रहते हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं? कहीं माता-पिता, दादा-दादी और वातावरण ही जिम्मेदार तो नहीं।

जो बच्चे माता-पिता के साथ एकल परिवार में हैं, वहां अगर मां नोकरी वाली है तो बच्चे ज्यादा मनमानी करते हैं। घरेलू महिला हैं तो फिर भी उनमें कुछ न्यूट्रिशियस खाने की आदत होती है। अगर संयुक्त परिवार में हैं तो अक्सर दादा-दादी उन्हें लाड-प्यार से बिगाडने में अप्रत्यक्ष रूप से मदद करते हैं कि बच्चे ने कुछ कहा तो वे एकदम माता-पीता को डांटते हुए कहते हैं-भाई उनकी पसंद का उन्हें खाने दो, नहीं तो स्वयं पैसे देकर बच्चों को उत्साहित करते हैं, जाओ जो खाना है ले आओ।

टी.वी. में लगातार ऐड्स देख कर बच्चे वही खाने के लिए जिद करते हैं तथा स्कूल में और बच्चों को खाते देख अपना खाना छोड़ कर उसी तरह का खाना चाहते हैं। अगर थोड़ी-सी सख्ती और प्यार से इस पर विचार कर लागू किया जाए तो शायद बच्चे कुछ हद तक सहयोग दे सकते हैं।

### ऑप्शन दें :

जो भी दाल-सब्जी आप बना रहे हैं उन्हें बताएं और पूछे कि वह इसके साथ चावल खाना पसंद करेगा, चपाती या परांठा। इसके लिए उसकी बात मानें और खाने में उसकी बताई ऑप्शन ही सामने रखें। बस इतना ध्यान दें कि चावल, चपाती और परांठे के साथ वह दाल-सब्जी भी खाए। स्कूल टिफिन में भी सप्ताह में दो या तीन बार उसकी पसंद का भोजन डालें। बाकी दिन पौष्टिक आहार अपने हिसाब से दें।

### वैरायटी बनाएं :

प्रारम्भ में जब बच्चे के खाने की शुरूआत करें तो उसे हर प्रकार का भोजन खिलाने का प्रयास करें ताकि वह सभी तरह के स्वाद ले सके। थोड़ा बड़ा होने पर वैरीयटी बढाते जाएं, पर ध्यान रहे कि उसकी पौष्टिकता पर अधिक प्रभाव न पड़े। कभी चावल उबाल कर, नमकीन, पुलाव और फ्राइड राइस बना कर देते रहें। पुलाव और फ्राइड राइस में सब्जियों की मात्रा काफी रखें।

कभी-कभी रोटी का रोल बना दें। परांठे में उसे विभिन्न सब्जियों से भरा परांठा दें, कोई दाल बची हो उसमें प्याज, हरा धनिया डाल कर आटा गूंध कर उसका परांठा भी दे सकते हैं। ईवनिंग स्नैक्स में सब्जियों से भरा पास्ता, मैगी, भुने नमकीन की भेल, उपमा बना कर दे सकते हैं, जो पौष्टिक भी हैं और वैरायटी भी बनी रहेगी।

### पौष्टिकता का भी रखें ध्यान :

बच्चे अक्सर मीठी चीजें खाना पसंद करते हैं। घर आए केकरस, बिस्कुट, मिठाई व चॉकलेट वे जल्दी खा जाते हैं। पर उनसे बच्चों को पौष्टिकता तो मिलेगी नहीं और पेट भर जाएगा। फिर वे खाने में नखरे करेंगे। ऐसे में घर पर अगर बिस्कुट रखने हैं तो फाइबर तथा कम चीनी वाले बिस्कुट रखें। बच्चे जब घर पर कुछ और नहीं होगा तो थोड़ा-बहुत उसे खा लेंगे।

मिठाई के स्थान पर घर में बच्चों को फ्रूट सलाद बना कर दें। उन पर आप उनकी पसंद का चॉकलेट, स्टॉबेरी सिरप डाल कर दे सकते हैं। घर पर उन्हें पॉपकार्न भी सकते हैं। मीठा दलिया, खीर, गाजर का हलवा तथा सूजी का हलवा कभी-कभार दे सकते हैं।

### सीमित मात्रा में डाल कर दें :

बच्चे को कभी प्लेट भर खाने को न दें। वह इसे देख कर घबरा जाएगा। पहले उसे थोड़ा दें, फिर खत्म होने पर थोड़ा और डाल दें। कई बार थोड़ा-थोड़ा कर आप उसे ज्यादा सकती हैं।

### बच्चे पर खाने के लिए हुक्म न चलाएं

: अधिकतर पेरैंट्स सोचते हैं कि बच्चे को डांट कर खिलाना चाहिए अगर वह प्यार से नहीं खा रहा तो। यह सोच गलत है बल्कि बच्चा उस खाने से चिढ जाता है। जैसे बच्चे टिंडा, मटर, सीताफल नहीं खाते, ऐसे में उन्हें पाव-भाजी के रूप में सब सब्जियां डाल कर मसल कर दे सकते हैं, मटर का परांठा बना कर दे सकते हैं। थोड़ा अपने बनाने के तरीके में बगलाव लाएं।

### बच्चों को खाने का महत्व बताएं :

बच्चों को समझाएं कि ताकतवर और लम्बा बनने के लिए पौष्टिक खाना खाना अति आवश्यक है। अगर खाना नहीं खाएंगे तो कमजोर रह जाएंगे, कद छोटा रहेगा, खेलों में पीछे रहेंगे, पिलो फाइट नहीं कर पाएंगे, किसी को पकड़ और उठा नहीं पाएंगे। अच्छी बातों से उन्हें पाएंगे। अच्छी बातों से उन्हें खाने के प्रति प्रेरित करते रहें।

**मिल कर भोजन करें :** हो सके तो परिवार के बाकी लोग भी उसी समय टेबल पर खाना खाएं ताकि बच्चा उन्हें देख कर खाना खाना सीखे। वे परिवार के अन्य सदस्यों को जो भी खाता देखते हैं उनकी इच्छी भी चखने की होती है। अकेल में वे अधिक नखरे करेंगे और समय लगाएंगे। मिल कर खाने से प्यार भी बढता है और बच्चे खाने के तरीके भी सीखते हैं।

# बच्चों की आंखो का रखें ख्याल

**हमारे** सबसे खास और नाजुक अंगों में से होती हैं आंखें। अगर इनका ख्याल इनका न रखा जाए तो छोटी-सी परेशानी जिंदगू भर की तलकीफ बन सकती है। छोटे बच्चों की आंखें ज्यादा नाजुक होती हैं। इसलिए उन्हें लेकर ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए।

नवजात बच्चों में जन्म के तीन से चार हफ्ते के अंदर जन्मजात इंफैक्शन हो सकता हैं, जिसे आफ्थैलमिया नियोनेटोरम कहते हैं। यह बच्चे के जन्म के समय होने वाली लापरवाही के कारण होता है। बच्चे की आंख से पानी आना, आंख का चिपकना, आंख की पलकों पर सूजन आना, आंख का लाल होना इसके लक्षण हो सकते हैं। एंटी-बायोटिक आई ड्रॉप डालने और आंख की सफाई रखने से यह इंफैक्शन ठीक जाता है। दो से तीन दिन में ठीक न होने पर आंखों के डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

5-6 साल के बच्चों द्वारा अक्सर खान-पान, पढाई में लापरवाही बरतने के कारण आंखों की समस्या आ जाती है इससे बचने के लिए कुछ सुझावों पर अमल करें -

- विटामिन से भरपूर खाना खाएं, जैसे दूध, हरी सब्जी, मौसमी फल आदि।
- बच्चों को फास्ट फूड कम दें।
- बच्चों को स्वीमिंग पूल में नहीं भेजना चाहिए। इससे इंफैक्शन एक से दूसरे में आसानी से लग जाता है।
- लेट कर नहीं पढना चाहिए। बच्चों को ऐसा करने से रोकें।
- पढने के कमरै में रोशनी का ठीक इंतजाम होना चाहिए।
- जो बच्चे कांटैक्ट लैंस पहनते हैं, उन्हें लैंस के रख-रखाव का खास ध्यान रखना चाहिए।

# सुहाना खान से खुशी कपूर तक

## अगले साल बॉलीवुड डेब्यू करेंगे ये स्टारकिड्स

बॉलीवुड में फिल्मी कलाकारों के बच्चों की एंट्री को लेकर खबरें आती रहती हैं। इंडस्ट्री में स्टारकिड्स के प्रति फैंस की दीवानगी भी किसी से छिपी नहीं है। बॉलीवुड में जाह्नवी कपूर, आलिया भट्ट, सारा अली खान, करिश्मा कपूर, करीना कपूर, रणबीर कपूर, ईशान खट्टर, अभिषेक बच्चन और अनन्या पांडे जैसे स्टारकिड्स ने अपने अभिनय की धार दिखाई है। आइए उन स्टारकिड्स पर नजर डालते हैं, जो अगले साल बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं।

रोमांस किंग कहे जाने वाले शाहरुख खान की 22 वर्षीय बेटी सुहाना खान भी अगले साल बॉलीवुड में अपना कदम रखेंगी। वह जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपनी नई शुरुआत करेंगी। फिल्म के निर्देशन की कमान जोया संभालेंगी। रीमा कागती और जोया मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस कर रही हैं। इस फिल्म की कहानी टीनेज पर आधारित है, जो कुछ दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सुहाना वेरोनिका की भूमिका में दर्शकों के बीच आएंगी।

खास बात यह है कि द आर्चीज के जरिए ही अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा (22) और जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर (22) बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। एक ही फिल्म में इन तीनों स्टारकिड्स की डेब्यू की खबर से फैंस उत्साहित हैं। इन तीनों कलाकारों ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। ऐसी चर्चा है कि अगस्त्य फिल्म में आर्ची एंड्रयूज की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जबकि खुशी बेट्टी नामक किरदार में नजर आएंगी।

ऐसी चर्चा चल रही है कि अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान (21) करण जौहर के प्रोडक्शन की फिल्म से बॉलीवुड में अपना पदार्पण करेंगे। इस फिल्म के लिए काजोल ने करण के साथ हाथ मिलाया है। इब्राहिक की यह फिल्म अगले साल रिलीज हो सकती है। बता दें कि करण के साथ रहकर ही इब्राहिम ने फिल्ममेकिंग की बारीकियां सीखी हैं। वह उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के सहायक निर्देशक रह चुके हैं।

करण ने इसी साल अपनी फिल्म बेधड़क का ऐलान किया था। वह इस फिल्म के जरिए अभिनेता संजय कपूर की 23 वर्षीय बेटी शनाया कपूर को बॉलीवुड में लॉन्च करेंगे। इसकी शूटिंग अगले साल शुरू होगी। फिल्म को अगले साल ही दर्शकों के बीच लाया जाएगा। शनाया के अलावा करण जिन दो नए चेहरों को मौका देंगे, उनमें एक हैं लक्ष्य लालवानी और दूसरे हैं गुरफतेह पीरजादा। इसका निर्देशन शशांक खैतान करेंगे।

# कृति सैनन ने प्रभास के साथ अपने रिश्ते की खबरों को बताया निराधार

अभिनेत्री कृति सैनन पिछले कुछ समय से बाहुबली उर्फ प्रभास के साथ अपने अफेयर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके रिश्ते को लेकर चर्चा और तेज तब हुई, जब वरुण धवन ने इस खबर को हवा दे दी। हालांकि, कृति और प्रभास ने काफी समय से अपने रिश्ते पर चुप्पी साधी हुई थी। अब आखिरकार कृति ने प्रभास के साथ अपने अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ दी है। कृति ने सोशल मीडिया पर लिखा, ये ना प्यार है और ना ही पीआर। हमारे भेडिय़ा (वरुण धवन) शो में कुछ ज्यादा ही वाइल्ड हो गए। उनके मस्ती-मजाक ने ऐसी अफवाहों की बढ़ावा दे दिया। कृति ने आगे लिखा, इससे पहले कुछ पोर्टल हमारी शादी की तारीख का भी ऐलान कर दें, मैं इसे यहीं खत्म कर देना चाहती हूं। ये अफवाहें पूरी तरह से निराधार हैं। इसके साथ ही कृति ने एक हाथ जोडऩे वाला इमोजी भी बनाया है।

वरुण-कृति हाल ही में शो झलक दिखला जा के मंच पर पहुंचे थे, जहां वरुण को कोई टास्क दिया जाता है, जिस दौरान उनके हाथ में एक लिस्ट होती है। इसमें कृति का नाम नहीं होता है। कृति का नाम क्यों नहीं है, इसके जवाब में वरुण कहते हैं, उनका नाम इसलिए नहीं है, क्योंकि वह किसी के दिल में है। एक आदमी है, जो मुंबई में नहीं है। वह इस समय दीपिका पादुकोण के साथ शूटिंग कर रहा है।

बीते दिन सोशल मीडिया पर इस खबर ने भी खूब जोर पकड़ा कि कृति और प्रभास सगाई करने वाले हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, आदिपुरुष के सेट पर प्रभास ने कृति को घुटनों पर बैठकर प्रपोज किया और जवाब में कृति ने उन्हें हां कहा। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के परिवारवाले उनके रिश्ते से खुश हैं और प्रभास-कृति जल्द ही सगाई करने वाले हैं। फिल्म आदिपुरुष के सेट पर पहले दिन ही दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी हो गई थी। कृति और प्रभास की तरह कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्ह-ोत्रा ने भी अपने प्यार का सरेआम इजहार नहीं किया है। हालांकि, खबरें हैं कि दोनों अगले साल अप्रैल में शादी करने वाले हैं, लेकिन कियारा और सिद्धार्थ भी अपना रिश्ता मीडिया से छिपा रहे हैं।

काम के मोर्चे पर बात करें तो प्रभास तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म सालार में नजर आएंगे। फिल्म में अभिनेत्री श्रुति हासन उनके साथ दिखाई देंगी। नाग अश्विन के निदेशन में बनी रही फिल्म प्रोजेक्ट के भी उनकी खूब सुर्खियों में है, जिसमें उनकी जोड़ी दीपिका पादुकोण के साथ बनी है। दूसरी तरफ कृति जल्द ही फिल्म गणपत में नजर आएंगी। इसमें उनके हीरो टाइगर श्रॉफ हैं। वह कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म शहजादा में भी काम कर रही हैं।

# विजय और रश्मिका की वरिसु हिंदी में होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता थलापति विजय काफी समय से वरिसु को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। यह एक तमिल भाषा की फिल्म है, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। खबरों की मानें तो मेकर्स ने इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज करने की योजना बना ली है। इसे तमिल और तेलुगु के अलावा अगले साल 12 जनवरी को हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए भूषण कुमार, दिल राजू और मनीष शाह ने हाथ मिलाया है। एक सूत्र ने बताया, मनीष को डबिंग के अधिकार दिए गए हैं, जबकि इसके हिंदी संस्करण को लाने में टी-सीरीज और श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स का सहयोग होगा। अतीत में इन दोनों स्टूडियोज ने हिट: द फर्स्ट केस के

प्रोजेक्ट में एक साथ काम किया है और इनके खाते में कई और फिल्में हैं। इससे पहले पुष्पा के हिंदी वर्जन को डब करने की जिम्मेदारी मनीष को ही दी गई थी। एक सूत्र ने कहा, फिल्म पुष्पा की तरह वरिसु के प्रचार को भी बड़े पैमाने पर हिंदी दर्शकों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। मनीष फिल्म की रिलीज के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने टेलीविजन चैनल और यूट्यूब नेटवर्क का इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि वरिसु के हिंदी वर्जन का अस्थायी शीर्षक वारिस रखा गया है।

वरिसु एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी, जिसमें कई बड़े कलाकार अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। प्रभु, सरथ कुमार, प्रकाश राज, जयसुधा, श्रीकांत, योगी बाबू और संगीता जैसे सितारे इस फिल्म की शोभा बढ़ाएंगे। चेन्नई में बड़े पैमाने पर इस फिल्म की शूटिंग की गई है। भूषण की प्रोडक्शन कंपनी टी-सीरीज ने पांच करोड़ रुपये का भुगतान करके इस फिल्म के म्यूजिक राइट्स हासिल किए हैं। दिल राजू और शिरीष इसके प्रोड्यूसर हैं। विजय के करियर की बात करें तो उन्होंने बाल कलाकार के तौर पर भी कई फिल्मों में काम किया है। बतौर लीड अभिनेता उनकी पहली फिल्म नालया थीरपू 1992 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने साउथ की एक से बढ़कर एक कई फिल्मों में काम किया। वह दक्षिण भारतीय सिनेमा के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। विजय मास्टर से लेकर सरकार, थुपक्की, जिला और बीस्ट जैसी कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं।

# सैम बहादुर की रिलीज डेट का ऐलान

## विक्की कौशल ने शेयर किया फिल्म का टीजर

विक्की कौशल आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। सैम बहादुर उनकी आने वाली बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है। फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें विक्की भारत के महानतम युद्ध नायकों में से एक सैम मानेकशॉ का जीवन पर्दे पर उतारने वाले हैं। अब फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। विक्की ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर कर यह ऐलान किया है। आइए जानते हैं दर्शकों के बीच कब आएगी सैम बहादुर।

विक्की ने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर कर लिखा, 365 दिन बचे हैं.... 1 दिसंबर, 2023 को सैम बहादुर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर में विक्की सैम बहादुर के अवतार में नजर आ रहे हैं। हालांकि, इसमें उनका चेहरा नहीं दिखाया गया। वह भारतीय सेना की वर्दी में दिख रहे हैं। कैमरे की तरफ उनकी पीठ है और वह आगे बढ़ते जा रहे हैं। उनके दोनों तरफ सेना के जवान खड़े हैं। यह फिल्म मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी है।

विक्की इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह 2022 में सैम बहादुर की शूटिंग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की शौर्यगाथा को पेश किया जाएगा, जिसे विक्की पर्दे पर पेश करेंगे। अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा फिल्म में उनकी पत्नी का किरदार निभा रही हैं, वहीं फतिमा सना शेख भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में दिखने वाली हैं।

सैम मानेकशॉ देश के सबसे महान फौजी अफसरों में से एक थे। उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया था। 1973 में सैम मानेकशॉ को फील्ड मार्शल की उपाधि से नवाजा गया। वह इस पद से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय जनरल थे। 1972 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित

किया। 1973 में सेना प्रमुख के पद से रिटायर होने के बाद वह वेलिंग्टन चले गए। वेलिंग्टन में ही 2008 में उनकी मृत्यु हो गई थी। अजय देवगन मैदान में फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम तो गोरखा में अक्षय कुमार युद्ध नायक मेजर जनरल इयान कार्डोजो बने हैं। पिप्पा में ईशान खट्टर ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता बने हैं, वहीं चकदा एक्सप्रेस से अनुष्का शर्मा, झूलन गोस्वामी की कहानी ला रही हैं।

विक्की जल्द ही फिल्म गोविंदा नाम मेरा में भी दिखाई देंगे। इसमें उनके साथ भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की एक फिल्म में काम कर रहे हैं, जिसमें उनकी जोड़ी सारा अली खान के साथ बनी है।

# आयुष्मान खुराना की ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज डेट खिसकी! अब इस दिन सिनेमाघरों में आएगी

अभिनेता आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज डेट फिर आगे खिसक गई है। पहले फिल्म के टीजर में बताया गया था कि फिल्म को अगले साल 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। अब ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म जुलाई में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। ऑरिजनल फिल्म की तरह इसके सीक्वल का निर्देशन भी राज शांडिल्य ही कर रहे हैं। एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा इसे प्रोड्यूस किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, आयुष्मान की ड्रीम गर्ल 2 अगले साल 7 जुलाई को रूपहले पर्दे पर आएगी। एक सूत्र ने बताया कि जल्द इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की जाएगी। फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। ऐसी चर्चा है कि कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा के क्लैश से बचने के लिए इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई है। सत्यप्रेम की कथा अगले साल 29 जून को ही रिलीज होगी।

ड्रीम गर्ल 2 के अलावा अगले साल कई बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में आने वाली हैं। अभिनेता शाहरुख खान काफी समय बाद पठान के साथ वापसी करेंगे। यह फिल्म 25 जनवरी को रिलीज होगी। इसके बाद उनकी अगली फिल्म जवान 2 जून को दस्तक देगी। 10 फरवरी को कार्तिक आर्यन की शहजादा रिलीज होगी। सलमान खान

की किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को ईद के मौके पर आएगी। प्रभास की आदिपुरुष 16 जून को आ रही है।

इसी साल सितंबर में मेकर्स ने अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की घोषणा की है। इस फिल्म में कई दिग्गज कॉमेडियन अपनी झलक दिखाने वाले हैं। अन्नू कपूर, परेश रावल, विजय राज, राजपाल यादव, गोवर्धन असरानी और मनोज जोशी जैसे कलाकार इस फिल्म का हिस्सा हैं। अभिनेत्री सीमा पाहवा भी फिल्म में दिखाई देंगी। इस बार भी मेकर्स ने फिल्म में कॉमेडी का जबरदस्त तड़का लगाने की कोशिश की है। ऑरिजनल फिल्म ड्रीम गर्ल में आयुष्मान के साथ नुसरत भरूचा नजर आई थीं। यह फिल्म 2019 में सिनेमाघरों में आई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 140 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म को आईएमडीबी पर 10 में से 7 रेटिंग मिली है। इसे आप जी5 पर देख सकते हैं। इसकी कहानी एक पढ़े-लिखे बेरोज-गार युवक करमवीर पर आधारित है। लड़की की आवाज में बात करने की क्षमता के कारण उसे एक कॉल सेंटर में नौकरी मिल जाती है।

आयुष्मान अपनी फिल्म एन एक्शन हीरो का प्रचार कर रहे हैं। यह फिल्म 2 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनिरुद्ध अय्यर ने इसका निर्देशन किया है। बता दें कि उनकी पिछली फिल्म डॉक्टर जी को सफलता नहीं मिली।

# साड़ी पहने अप्सरा सी दिखीं रुबीना दिलैक, एलिगेंट लुक ने जीते लाखों फैंस के दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा से अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीतती हुई आई हैं। एक्ट्रेस हाल ही में अपने लेटेस्ट लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रुबीना दिलैक हर समय फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं, जो तेजी से फैंस के बीच वायरल होने लग जाती हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इन दिनों सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक का बेहद ही स्टाइलिश अंदाज एक बार फिर से कैमरे में कैद हो गया है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने सिल्वर साड़ी पहनी हुई है, जिसमें एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश कटआउट डीप नेक ब्लाउज वेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर और हॉट अदाएं दिखाते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। रुबीना सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ हमेशा जुड़ी हुई रहती हैं। फैंस भी एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर हमेशा छाई हुई रहती हैं। इन दिनों अपने काम से ज्यादा अपनी तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में हैं।